04 - अपराध और राजनीति के बीच खोती नैतिकता

05 - हमारे पूर्वजों को सम्मान देने का पर्व

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 10 सितंबर, 2025

06 - सभी प्रकार की दुकानों पर लागू होगी व्यवस्था

07 - सीहोर जिले का खारी गांव बना होम स्टे पर्यटन का नया...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 13, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

संसद को चिता में बदलने वाले इस जनाक्रोश के मायने ?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।

संपर्क-

9893699939

ajaybokil@gmail.com

लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ जिस पड़ोसी नेपाल के साथ हमारा रोटी-बेटी का रिश्ता रहा हो, उस नेपाल की संसद को धू-धू जलते देखना बेटी का मायका अपनी आंखों से राख में बदलते देखने जैसा है। जो हुआ, और हो रहा है, वह इस बात की चेतावनी है कि अगर जनता अपनी वाली पर आ जाए तो कोई माई का लाल सत्ता और सत्ताधीशों को नहीं बचा सकता। भारत और उसके तीन पड़ोसी देशों में बीते दो सालों में सत्ता परिवर्तन का जो तरीका रहा है, उसमे एक खास पैटर्न, आक्रोश की अभिव्यक्ति का तरीका, सत्ता परिवर्तन और उसके बाद की ?स्थतियों को देखना जरूरी है। इन तीनो मामलों में नायक जनता थी, भले ही उसके पीछे कुछ धूर्त विदेशी या स्वदेशी शक्तियां रही हों। मुद्दे कमोबेश समान ही थे। लोग जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, अपनो को रेवड़ी बांटने, बेरोजगारी, महंगाई और सत्ता द्वारा जनता का मुंह बंद करने की चालों से भड़के हुए थे। इसका पहला लावा श्रीलंका में फूटा, जहां आम लोगों ने राष्ट्रपति भवन लूट लिया और राष्ट्रपति को देश छोड़ने पर विवश किया। बांगला देश में छात्रों की नाराजी से शुरू हुआ आंदोलन इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हाई जैक कर अपने ही राष्ट्रपिता की प्रतिमाएं तोड़ डालीं। विरोधियों और हिंदुओंके घर जला दिए। अब नेपाल में जनाक्रोश इससे भी एक कदम आगे जाकर उस लोकतंत्र के मंदिर को ही जला बैठा है, जहां जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को भेजती रही है। जहां से नेपाल का समूचा तंत्र नियंत्रित होता है। लोगों का गुस्सा अपनी जगह है, लेकिन इसकी परिणति संसद को चिता में तब्दील करने में हो तो यह हर लोकतांत्रिक मन को खिन्न करने वाला है। अब सवाल यह है कि नेपाल के युवा और बाकी जनता संसद को ही खत्म करने पर खुश है तो वह चाहती क्या है? क्या राजशाही की वापसी? क्या फिर कोई निरंकुश सत्ता अस्तित्व को न्यौता? अगर वह एक ओली की जगह किसी दूसरे ओली की आस में सड़कों पर निकली है तो जिस बदलाव की उम्मीद वह पाले हुए है, वह कैसे पूरी होगी? बांग्लादेश में आंदोलन की आड़ में छात्रों को कैसे ठग लिया गया, हम देख रहे हैं।

सवाल यह भी है कि आखिर नेपाल के युवाओं का मात्र 16 साल में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर से इतना विश्वास क्यों उठ गया? इसका एक कारण तो यह है कि नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र अचानक ही आ गया। हालांकि भारत की आजादी के बाद नेपाल में राणाओं के सामंती शासन के खिलाफ जनता ने आवाज उठाना शुरू कर दिया था। बाद में राजा ने अपने हाथ में सत्ता ले ली और संवैधानिक राजतंत्र चलाने की कोशिश की। नेपाल की जनता तब भी बहुत सुखी नहीं थी और लोकतंत्र के नाम पर वहां जो मजाक डेढ़ दशक से चल रहा था, उसने लोगों का लोकतंत्र से पूरी तरह मोहभंग कर ?दया। हालांकि राजतां??त्रिक नेपाल में लोकतंत्र लाने की कोशिशों में भारत की भी अहम भूमिका रही है। लेकिन लोकतंत्र को लागू करने और उसे आत्मसात करने के पहले जिस तरह के सामाजिक जागरण, उदात्त और परिपक्व सोच तथा लोकतांत्रिक साक्षरता की जरूरत होती है, नेपाल में वह उतनी शिद्दत से कभी नहीं हुई। क्योंकि लोकतंत्र भी धीरे धीरे परिपक्व होता है। नेपाल में राजशाही को हटाने के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन और कम्युनिस्टों के सशस्त्र विद्रोह जैसे कई प्रयास समय-समय पर होते रहे, ???लेकिन नेपाल के सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक अंतर्विरोधों के कारण ज्यादा सफल नहीं हो पाए। वहां पारिवारिक अंतर्कलह के कारण राजतंत्र का खात्मा भी एकाएक हो गया। अंतिम राजा ज्ञानेन्द्र कमजोर शासक थे। हालांकि वो अभी भी सत्ता में लौटने का सपना देखते रहे हैं। देश में एक वर्ग यह चाहता भी है कि नेपाल पूर्ववत राजतांत्रिक हिंदू राष्ट्र बन जाए। यानी पत्थर से ईंट भली। लेकिन यह आसान नहीं है, क्योंकि नेपाल के आंदोलनकारी जेन जेड के लिए राजशाही अतीत की बात है। यह नेपाल के राजनेताओं की घोर असफलता है कि वो जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जगह अपनी स्वार्थ सिद्धि में ही मगन रहे। देश में नया संविधान लागू होने और चुनावों में कभी भी किसी पार्टी को बहुमत न मिलने से नेपाल परिवर्तन की उस वैचारिक प्रतिबद्धता से भी दूर चला गया, ?जसके आधार पर राजनीतिक दलों को जनहित के कुछ तो काम करने ही पड़ते हैं। नेपाल के राजनेता, चाहे? किसी पार्टी के हों, इस गरीब देश को विकास और समृद्धि के मार्ग पर आगे ले जाने के बजाए भारत और चीन के बीच शक्ति संतुलन तथा अपने हित साधने में ही व्यस्त रहे। मजबूरी में हुए प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे, संसद के राख होने, दो दर्जन जानें जाने, कइयों के घायल होने, आक्रोशित भीड़ के आगे सेना और पुलिस के घुटने टेक देने, करोड़ों की सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति नष्ट होने के बाद नेपाल में आगे क्या होगा, इस पर सभी की नजर रहेगी। क्या सेना सत्ता हाथ में ले लेगी, क्या राष्ट्रपति किसी युवा लेकिन अनुभवहीन व्यक्ति के हाथों में सत्ता सौंप देंगे? देश के बूढ़े और भ्रष्ट नेताओं का भविष्य क्या होगा तथा इन सबका भारत कितना और कैसा असर होगा, यह देखने की बात है। लेकिन एक छोटे से निमित्त की बुनियाद पर जिस तरह नेपालवा?सियों और खासकर युवाओं का गुस्सा सड़कों पर उतरा और पूरी सरकार की बलि ले गया, वह उन सभी राजनेताओंके लिए गंभीर चेतावनी है, जो सत्ता पाकर निरंकुश, मगरूर, असंवेदनशील और खुद को व्यवस्था से ऊपर स्वयंभू मानने लगते हैं। सत्ता को अपनी जागीर और जनता को चेरी समझने लगते हैं।

नेपाल में संसद का जलकर राख हो जाना, विश्व में सर्वाधिक मान्य शासन प्रणाली यानी जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता के शासन की भी ट्रेजिडी है। संसद भवन का खाक होना वहां की जनता की सत्ताकांक्षा की ट्रेजिडी है। साथ ही उस ऐतिहासिक विरासत के भस्म होने की भी ट्रेजिडी है, जिसमें बैठकर नेपाल ने कभी अपने भविष्य के सपने बुने थे।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

विद्रोह बवाल

'आग' के हवाले नेपाल

- युवाओं ने कर दिया ओली सरकार का तख्तापलट
- हर ओर प्रदर्शन की ज्वाला जल रहा है काठमांडू
- संसद भवन में प्रदर्शनकारी किया आग के हवाले
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के घर भी तोड़फोड़

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदर्शनकारी ने संसद भवन में आग लगा दी। इसके अलावा, पीएम ओली, राष्ट्रपति, गृहमंत्री के निजी आवास पर तोड़फोड़ के बाद आगजनी की। वित्त मंत्री को काठमांडू में उनके घर के नजदीक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारता दिख रहा है। इस बीच, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। उन्हें सेना हेलीकॉप्टर से अज्ञात स्थान पर ले गई है। इस हिंसा में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया। सोमवार को शुरू हुए हिंसक प्रदर्शनों में 20 से ज्यादा लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने के बाद सरकार पूरी तरह से घिर गई थी। स्थिति संभालने के लिए सेना को तैनात करना पड़ा, लेकिन जेन-जेड की अगुवाई में हो रहे प्रदर्शनों ने ओली सरकार को झुका दिया। सूत्रों के मुताबिक, इस्तीफे से पहले सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल ने ओली को पद छोड़ने की सलाह दी थी। वहीं, कैबिनेट के कई मंत्री, जिनमें गृहमंत्री रमेश लेखक और स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल शामिल हैं, उन्होंने पहले ही नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे चुके थे। इस तरह ओली पूरी तरह राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इस्तीफा देने के बाद केपी शर्मा ओली को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया, मौत, सुरक्षाबलों के हथियार लूटे, जेल का गेट तोड़ा कैदी भागे

अहम इमारतों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा

नेपाल की राजधानी काठमांडू में तीन प्रमुख इमारतें (संसद, सिंह दरबार और सर्वोच्च न्यायालय) अब पूरी तरह से प्रदर्शनकारियों के नियंत्रण में आ गई हैं। सिंह दरबार में मंत्रियों के दफ्तर हैं। सेना ने वहां से मंत्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए ऑपरेशन चलाया। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति को सौंपे अपने त्यागपत्र में लिखा है कि उन्होंने देश में पैदा हुए असामान्य परिस्थितियों के कारण इस्तीफा दिया है। उन्होंने जो त्यागपत्र दिया है, उसमें लिखा है– देश में व्याप्त वर्तमान असामान्य स्थिति को देखते हुए, मैंने संविधान के अनुच्छेद 77 (1) (ए) के अनुसार, आज से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, ताकि संविधान के अनुसार राजनीतिक समाधान और समस्या समाधान की दिशा में आगे कदम उठाया जा सके।

सुप्रभात

चाँद सितारे फूल परिंदे
शाम सवेरा एक तरफ़
सारी दुनिया उस का चर्बा
उस का चेहरा एक तरफ़
वो लड़ कर भी सो जाए तो
उस का माथा चूमूँ मैं
उस से मोहब्बत एक तरफ़
है उस से झगड़ा एक तरफ़
जिस शय पर वो उँगली
रख दे उस को वो दिलवानी है
उस की ख़ुशियाँ सब से अव्वल
सस्ता महँगा एक तरफ़
सारी दुनिया जो भी बोले
सब कुछ शोर-शराबा है
सब का कहना एक तरफ़ है
उस का कहना एक तरफ़
ज़ख़्मों पर मरहम लगवाओ
लेकिन उस के हाथों से
चारा-साज़ी एक तरफ़ है
उस का छूना एक तरफ़
उस ने सारी दुनिया माँगी
मैं ने उस को माँगा है
उस के सपने एक तरफ़ हैं
मेरा सपना एक तरफ़

– वरूण आनंद

सीपी राधाकृष्णन होंगे देश के नए उपराष्ट्रपति

- इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को हराया
- कुल 452 वोट मिले, सुदर्शन रेड्डी को 152 वोट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव जीत गए हैं। राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले, वहीं इंडिया कैंडीडेट सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। बीआरएस और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजेडी ने उपराष्ट्रपति चुनाव से किनारा किया। दोनों पार्टियों ने किसी भी गठबंधन का समर्थन नहीं किया। राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं। लोकसभा में इकलौते सांसद वाले शिरोमणि अकाली दल ने भी पंजाब में बाढ़ के चलते वोट डालने से इनकार कर दिया। वायएसआरसीपी के 11 सांसदों ने पहले ही एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में वोट करने का फैसला किया था। चुनाव जीतने के बाद राधाकृष्णन अब जगदीप धनखड़ की जगह लेंगे। धनखड़ ने 21 जुलाई को खराब सेहत का हवाला देकर अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

कैबिनेट का फैसला

प्रदेश में वाहन स्क्रैप कराने पर टैक्स में 50 प्रतिशत छूट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार कोमंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए बीएस-ढ्ढ और पूर्ववती तथा बीएस-॥ व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों वाले वाहनों को जारी 'सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉजिट' के विरुद्ध पंजीकृत किये जाने वाले नए गैर परिवहन यानों तथा नए परिवहन वाहनों पर 50 प्रतिशत की मोटरयान कर में छूट प्रदान किये जाने की स्वीकृति शर्तों के अधीन प्रदान की गयी है।

स्वीकृति अनुसार समस्त यान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 1 (बीएस-1) मानक और पूर्ववती व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों अनुसार विनिर्मित किये गए है तथा मध्यम मालयान/भारी मालयान/ मध्यम यात्री मोटरयान/भारी पात्री मोटरयान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 2 (बीएस-।।) मानदंडों के अनुसार विनिर्मित किये गए हैं, को इसके तहत छूट प्रदान की गयी हैं।

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में 1563 नए वाहन पंजीकरण पर लगभग 17 करोड़ 5 लाख रूपये की छूट प्रदान की गई है। वर्तमान में बीएस-1 एवं बीएस-सेकेण्ड श्रेणी के लगभग 99 हजार मोटरयान ऑनरोड है। इनको मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिए जाने पर 100 करोड़ रूपये का वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता प्राप्त होगी। भारत में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारत स्टेज (बीएस-1) उत्सर्जन मानदण्डों को सबसे पहले अप्रैल 2000 में लाया गया था।

मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की नगर पालिका परिषद नगर परिषदों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आगामी आम-निर्वाचन में प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराये जाने के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा वर्ष 1999 से 2014 तक लगातार किया जाता रहा है। कोविड महामारी के आ जाने से वर्ष 2019 में निर्वाचन नहीं हो सके। इसके बाद वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद का निर्वाचन अप्रत्यक्ष प्रणाली से किया गया। वर्ष 2027 के नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा किया जाना है। उपरोक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की संबंधित धाराओं में संशोधन के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 10 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख

कर्नाटक सरकार बोली-संवैधानिक व्यवस्था के तहत दोनों के हाथ बंधे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राष्ट्रपति के संदर्भ पर आठवें दिन सुनवाई हुई, जिसमें यह पूछा गया था कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं में पास बिलों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने इस पर अपनी दलील दी और कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल सिर्फ नाममात्र के प्रमुख हैं। दोनों, केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर काम करने के लिए बाध्य हैं। कर्नाटक सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट गोपाल सुब्रमण्यम ने चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5-जजों की बेंच को बताया कि विधानसभा में पारित बिलों पर कार्रवाई के लिए राज्यपाल की संतुष्टि ही मंत्रिपरिषद की संतुष्टि है।

सोशल मीडिया पर नहीं कर सकेंगे एसएससी पेपर्स का एनालिसिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टाफ सिलेक्शन कमीशन यानी एसएससी ने अपने एग्जाम पेपर्स का सोशल मीडिया पर एनालिसिस, डिस्कशन या शेयरिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। आयोग ने इस संबंध में नोटिस जारी कर कहा है कि ऐसा करने वालों पर 1 करोड़ तक का जुर्माना या 10 साल तक की कैद की सजा हो सकती है। एसएससी के नोटिस में

लिखा, सभी कंटेंट क्रिएटर्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और टीचर्स को सचेत किया जाता है कि वे किसी भी एसएससी एग्जाम के क्वेश्चन पेपर का डिस्कशन, एनालिसिस या डिसेमिनेशन शेयर न करें। इसका उल्लंघन करने पर एक्ट, 2024 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने कहा कि कई सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म्स पर जारी या खत्म हो चुके एसएससी एग्जाम के क्वेश्चन पेपर्स का डिस्कशन और एनालिसिस देखा गया है।

एनकाउंटर के दूसरे दिन आतंकी ठिकाना मिला

कुलगाम (एजेंसी)। गुड्डर के जंगलों में आतंकी करीब दो से 3 फीट गहरे गड्ढे में छिपकर रह रहे थे। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम स्थित गुड्डर के जंगलों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर

जारी है। सुरक्षाबलों ने गुड्डर में एक आतंकी ठिकाने का भी पता लगाया है। जंगल के बीच में आतंकी दो से तीन फीट गहरे गड्ढा बनाकर छिपे थे। वहां से हथियार, कपड़े और बर्तन भी मिले हैं। इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षाबलों को सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकी ठिकाने का भी पता लगाया। सेना ने आतंकियों के छिपने की जगह को नष्ट कर दिया है। आतंकियों के बचने के लिए इलाके की कड़ी घेराबंदी कर रखी है।

बाढ़-बारिश संकट

हिमाचल और पंजाब का पीएम ने किया हवाई सर्वे

संकट से निपटने हिमाचल को 1500 करोड़ देने का ऐलान

पंजाब में बाढ़ग्रस्त इलाकों का जाना हाल, 1600 करोड़ देंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के बाद पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। इसके बाद वह गुरदासपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 19 किसानों, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम से बातचीत की। इसके बाद मंत्रियों और अधिकारियों से मीटिंग की। पीएम ने पंजाब को 1600 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया।

इससे पहले पीएम ने हेलीकॉप्टर से कुल्लू, मंडी और चंबा में हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद कांगड़ा में आपदा को लेकर एक बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने 1500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी।

आपदा में बची एक साल की बच्ची से मिले पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ और भूस्खलन की आपदा का मंगलवार को जायजा लिया। उन्होंने हवाई सर्वे किया और कई लोगों से मुलाकात भी की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए कई फैसले भी लिए हैं ताकि प्रभावितों को राहत मिल सके। पीएम मोदी सबसे पहले कांगड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम ने एक साल की बच्ची निकिता को भी गोद में लिया। राज्य में आई आपदा की निकिता एक प्रतीक बन गई है। बच्ची ने मंडी जिले में बादल फटने की घटना में अपना पूरा परिवार ही खो दिया, लेकिन खुद जीवित और सुरक्षित बच गई है। निकिता महज 11 महीने की थी, जब बादल फटने की घटना में उसके पिता और मां की मौत हो गई थी।

प्राक्कलन समिति ने बायोगैस प्लांट का लिया जायजा

ट्रेंचिंग ग्राउंड प्लांट का भी किया अवलोकन

समिति ने नगर निगम इंदौर द्वारा किए गए जनहित के कार्यों की सराहना की

इंदौर प्रदेश विधानसभा की प्राक्कलन समिति अपने तीन दिवसीय इंदौर-उज्जैन संभागीय अध्ययन दौरे के तहत इंदौर पहुंची। समिति अध्यक्ष एवं सदस्यों ने इंदौर स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड का दौरा कर बायो सीएनजी गैस प्लांट, नेप्रा प्लांट एवं अन्य अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों का अवलोकन किया गया। इंदौर प्रवास के दौरान समिति के सभापति अजय विश्नोई की अध्यक्षता में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में लोक लेखा समिति के सभापति भंवरसिंह शेखावत, समिति सदस्य मालिनी गौड़, आशीष शर्मा, चिंतामणि मालवीय, सोहनलाल वाल्मिक, दिनेश जैन बोस एवं देवेन्द्र सखवार द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं बायो सीएनजी प्लांट का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर तत्कालीन निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने उन्हें अवगत कराया कि शहर से एकत्रित विभाजित कचरे को इन संयंत्रों तक पहुंचकर किस प्रकार वैज्ञानिक प्रक्रिया से गीले एवं सूखे कचरे का निस्तारण कर बायो गैस, खाद एवं अन्य उत्पाद तैयार किए जाते हैं। समिति द्वारा

स्वच्छता में नगर निगम इंदौर द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई।

इंदौर में समिति की बैठक प्राक्कलन समिति के सभापति अजय विश्नोई की अध्यक्षता में रेसीडेंसी में हुई। यह समिति विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों, उनके द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर उसका अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट विधानसभा में प्रस्तुत करेगी। इससे योजनाओं और कार्यक्रमों के और अधिक बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। अजय विश्नोई ने इंदौर नगर निगम द्वारा शहरी विकास कार्यों और स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किये जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इंदौर में अनेक नवाचार और आदर्श कार्य हो रहे हैं। इंदौर में शहरी विकास के कार्यों से काफी सीखने का अवसर है। अन्य नगरीय निकायों को भी इंदौर से शहरी विकास के कार्यों को सीखा जा सकता है। उन्होंने इंदौर मेट्रो परियोजना की जानकारी लेते हुए कहा कि मेट्रो परियोजना को समय सीमा में पूरा कराये जाने की जरूरत है। शेष बचे भूमिगत लाइन के संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों आदि के साथ बैठक कर कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में वंदे मातरम के सामूहिक गान के साथ मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में आरंभ हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ. कुरियन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश में 'श्वेत क्रांति' के जनक एवं पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. वर्गीज कुरियन की पुण्यतिथि पर नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. कुरियन ने दुग्ध क्षेत्र में क्रांति कर सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने विशेष रूप से किसानों और महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के जो मार्ग बनाए, वे सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के अद्वितीय उदाहरण हैं।

भारत बहुत जल्द बनेगा 'सेमीकंडक्टर का किंग'

हाथ लगा गजब का फॉर्मूला, नीति आयोग ने बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सेमीकंडक्टर की दुनिया में अपने आप को स्थापित करने के लिए दिन-रात एक कर रहा है। इस साल के आखिर में भारत के पास पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप भी होने वाली है। इसी बीच नीति आयोग ने कहा है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। इसके लिए 2डी मटेरियल्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

इनके इस्तेमाल से ना सिर्फ ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि कंप्यूटिंग की स्पीड में भी सुधार हो सकता है। यही कारण है कि नीति आयोग का मानना है कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर को लीड करने की क्षमता रखता है। चलिए, समझते हैं कि 2 डी मटेरियल्स क्या हैं और सेमीकंडक्टर निर्माण में इनका क्या महत्व है। 2 डी मटेरियल्स ऐसी सब्सटेंस है, जो बहुत ही पतली होती है। इसकी मोटाई एक या कुछ एटम जितनी ही होती है। यह एक या कुछ एटम की मोटाई वाली। ये मटेरियल्स इतनी पतली होती है कि इन्हें देखना भी मुश्किल है। कल्पना करें कि आपका स्मार्टफोन कागज की तरह मोड़ा जा सकता है, लेकिन वह टूटता नहीं या फिर ऐसी स्क्रीन जो इतनी पतली हो कि नजर ही ना आए। ये 2डी मटेरियल्स बिजली, प्रकाश और ताकत के मामले में आम 3डी मटेरियल्स से बहुत अलग होती हैं। इनका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर, मेमोरी चिप्स, क्वांटम डिवाइस और फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स में हो सकता है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि 2डी मटेरियल्स से बने ट्रांजिस्टर बहुत कम बिजली खर्च करते हैं।

बिहार तक जा सकती है पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

● सीसीटीवी कैमरा, मनोरंजन के लिए एलईडी स्क्रीनें भी ● ऑटमैटिक दरवाजे व आधुनिक सुरक्षा के बेहतर उपाय

पटना (एजेंसी)। वंदे भारत एक्सप्रेस में लेट कर सफर करने का मौका जल्द ही मिलने वाला है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि रेलवे दीवाली से पहले ही बड़ी खुशखबरी दे सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर अभी कोई ऐलान नहीं हुआ है। फिलहाल, पटरियों पर दौड़ रहीं वंदे भारत ट्रेनों में चेयर कार की सुविधा थी, लेकिन अब पहली स्लीपर ट्रेन सरपट भागने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सेवाएं दीवाली से पहले शुरू हो सकती हैं। यह ट्रेन बिहार की राजधानी पटना से सुबह 8 बजे निकलेगी और अगले दिन सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर नई दिल्ली पहुंचेगी। खास बात है कि इस यात्रा में अभी 12 से 17 घंटे का समय लगता था, जो अब घटकर 11.5 घंटे के आसपास आ सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस ट्रेन का किराया राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले 10 से 15 प्रतिशत ज्यादा हो सकता है।

भारतीय सेना के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी

● सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा-युद्ध हमेशा अनिश्चित होते हैं ● कहा-लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर को 4 दिन का टेस्ट मैच बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के कार्यक्रम में कहा कि सेना के लिए भी आत्मनिर्भर भारत जरूरी है। पहले संघर्ष के समय जहां 100 किमी की रेंज वाले हथियारों की जरूरत थी, आज वहां 300 किमी की रेंज वाले हथियार चाहिए। उन्होंने आगे कहा- हमारे विरोधियों की तकनीक आगे बढ़ रही है। हम विदेशी हथियारों पर हमेशा निर्भर नहीं रह सकते। अपनी क्षमता पर भरोसा और लगातार मजबूत होना ही हमें भविष्य के युद्धों के लिए तैयार कर सकता है। सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा- कुछ लोगों ने कहा कि ये तो चार दिन का टेस्ट मैच था। लेकिन आप युद्ध के बारे में पहले से कुछ नहीं कह सकते। हमें कोई अंदाजा नहीं था ऑपरेशन कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि ये इतना लंबा चलेगा। ईरान-इराक युद्ध लगभग 10 साल चला। नई तकनीक और भविष्य की तैयारी जारी है सेना प्रमुख ने आने वाले समय में नई तकनीक वाले हथियारों को

सेना में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- भारत हथियारों के मामले में राइफल से लेजर हथियारों तक जाना चाहता है। हम ऐसे टैंक सेना में शामिल कर रहे हैं जो बिना किसी व्यक्ति के संचालित हो सकें। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- सेना के लिए नए हेलीकॉप्टरों की खरीद पर भी बात चल रही है। मैं कुछ दिन पहले ही इस सिलसिले में विदेश गया था। हम सैनिकों की जिंदगी बेहतर करने पर जोर दे रहे हैं। आधुनिक युद्ध में डेविड एंड गोलियथ सिस्टम अहम है। यानी कम लागत और उन्नत तकनीक वाला देश भी बड़े और ताकतवर दुश्मन को हरा सकता है। इसके लिए फोर्स एप्लीकेशन और फोर्स प्रोटेक्शन दोनों ही जरूरी हैं। यानी दुश्मन के हमले को झेलने और फिर सही समय पर कार्रवाई करने की क्षमता। यह सब तभी संभव होगा जब मजबूत संचार और साइबर सिस्टम तैयार हों। इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 4 अगस्त को पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई थी। उन्होंने उद्घाटन समारोह में कहा- अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी।

हिमाचल के कुल्लू में लैंडस्लाइड, 5 की मौत

● अहमदाबाद में करंट लगने से पति-पत्नी की गई जान ● राजस्थान में इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में इस मानसून सीजन राज्य के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश 693.1 एमएम हुई है। 108 साल पहले 1917 में 844.2 एमएम बारिश दर्ज हुई थी। अब तक राज्य के 63 फीसदी बांध फुल हो चुके हैं। बीते तीन महीने की बात करें तो जून में 125.3, जुलाई में 290 और अगस्त में 184 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात लैंडस्लाइड से टूटे घर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोगों को सुरक्षित निकाला गया। गुजरात के अहमदाबाद में सोमवार रात बाइक सवार कपल पानी भरी सड़क से गुजर रहा था। रास्ते में गड्ढे में करंट का तार था, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। यूपी में गंगा, यमुना समेत सभी बड़ी नदियां उफान पर हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50 फीसदी इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया। वृंदावन का परिक्रमा मार्ग पूरी तरह डूब चुका है। बांके बिहारी मंदिर से यमुना की दूरी 600 मीटर है, लेकिन अब महज 100 मीटर रह गई। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 48 जिले बाढ़ की चपेट में है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन लैंडस्लाइड की 136 घटनाएं सामने आईं। बाढ़ की 95 और बादल फटने की 45

घटनाएं हुईं। बाढ़-बारिश से 1204 घर पूरी तरह जमींदोज हुए हैं। 5140 घर ऐसे हैं जो आंशिक क्षतिग्रस्त हुए हैं। इटावा में यमुना नदी उफान पर है। जसवंतनगर के कीरतपुर गांव में 3 फीट तक बाढ़ का पानी भर गया है। गांव का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है। गांव की सड़कों पर नाव चल रही है। स्कूल में पानी भरा है। छात्र और शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। सैकड़ों बीघा फसल डूब गई है। घरों में पानी चले जाने से लोग घर की छतों पर रहने को मजबूर हैं। ग्रामीण बोले- पशुओं के लिए चारा और पीने का पानी जुटाना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय प्रशासन ने अभी तक कोई मदद नहीं की है।

भोपाल में सुबह धूप खिली, फिर हुई तेज बारिश

सीधी भी तरबतर हुआ, जोहिला डैम के दो गेट खोले, एमपी में अब तक 41.3 इंच बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार को कहीं बारिश तो कहीं धूप का दौर रहा। भोपाल में सुबह धूप खिली थी। दोपहर में तेज बारिश होने लगी, जो देर शाम तक चलती रही। सीधी में भी तेज पानी गिरा। उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट आधे आधे मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। निगरानी के लिए टीम तैनात है।

मध्यप्रदेश में मानूसन की एंट्री के बाद से अब तक औसत 41.3 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य के मुकाबले 12 प्रतिशत यानी 4.3 इंच ज्यादा है। भोपाल, ग्वालियर समेत 30 जिलों में कोटा फुल हो चुका है तो 10 जिले मुहाने पर हैं। सितंबर के बचे हुए दिनों में भी मानसून एक्टिव रहेगा। ऐसे में प्रदेश में 10 इंच बारिश और होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने बताया कि स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव नहीं होने से भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। जबलपुर संभाग के कुछ जिलों में तेज पानी गिर सकता है।

भोपाल में 32 घंटे बाद मिला बच्ची का शव

भोपाल के बैरसिया इलाके में नदी में बही 12 साल की चिंको का शव 32 घंटे बाद घटनास्थल से करीब 15 किलोमीटर दूर मिला। बच्ची रविवार सुबह 9 बजे दादा बाबूलाल साहू (70) के साथ खजुरिया रामदास गांव में ब्रह्म नदी में तर्पण करने गई थी। दादा का शव कुछ घंटे बाद ही मिल गया था, लेकिन बच्ची नहीं मिल पाई थी। नर्मदापुरम के इटारसी में तवा डैम के तीन गेट खुले रहे। इस सीजन में तीसरी बार गेट खोले गए हैं।

ग्वालियर, चंबल-सागर की स्थिति सबसे बेहतर

एमपी में जब से मानसून एंटर हुआ, तब से पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में तेज बारिश हुई है। यहां बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहे। छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया समेत कई जिलों में बाढ़ आ गई। ग्वालियर-चंबल में भी मानसून जमकर बरसा है। यहां के सभी 8 जिलों में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, भिंड, मुरैना, दतिया और श्योपुर शामिल हैं।

कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। बुधवार और गुरुवार को कुछ जिलों में बारिश का अलर्ट है।

प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 41.3 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 33.4 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.9 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है। 4.3 इंच पानी ज्यादा गिर गया है।

30 जिले- भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, अलीराजपुर, बड़वानी, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना और उमरिया में बारिश का कोटा फुल हो चुका है।

कई जिले ऐसे हैं, जहां आंकड़ा डेढ़ सौ प्रतिशत के पार है। श्योपुर में कुल 213 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

प्रतिभाओं का प्रोत्साहन आवश्यक: चौरे

भोपाल। इटारसी में आयोजित सिंधु विकास समिति के प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में अनेक प्रतिभाएं सम्मानित हुईं।कार्यक्रम के विशेष अतिथि नगर पालिका इटारसी के अध्यक्ष पंकज चौरे ने अभिनव कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज कई क्षेत्र में सक्रिय हिस्सेदारी कर रहा है। प्रतिभाओं का विकास तभी होगा जब समाज द्वारा उन्हें पुरस्कृत और सम्मानित किया जाएगा। इस नाते सिंधु विकास समिति ने सराहनीय पहल की है।

लेखक और रंगकर्मी अशोक मनवानी ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के पश्चात उस समय की परिस्थितियों के कारण 1948 में सिंध से विस्थापित हुए सिंधी समुदाय ने अनेक प्रांतों में आकर स्वयं को स्थापित करने का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। सिंधी समाज अन्य समुदायों के लिए भी प्रेरक है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी की साथ ही भारत को एक लघु बाजार व्यवस्था दी। परिश्रम और विनम्रता से कार्य करते हुए न सिर्फ व्यापार ,वाणिज्य बल्कि अनेक क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। बॉलीवुड में समाज का दबदबा है। यही नहीं, खेल क्षेत्र , प्रबंधन , कंप्यूटर साइंस, चिकित्सा जगत,अभियांत्रिकी जैसे क्षेत्रों में समाज के लोग सक्रिय हैं। अब व्यवसाय वाणिज्य, उद्योग के अलावा अन्य क्षेत्रों में सिंधी समाज के युवा बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

अशोक मनवानी ने समिति के पदाधिकारियों से अनुरोध किया कि रक्त रोग थैलेसीमिया के संबंध में समाज स्तर पर जागरूकता के प्रयास बढ़ाए जाएं। उन्होंने विवाह के पहले प्रत्येक सिंधी युवक युवती का थैलेसीमिया माइनर परीक्षण करवाने का सुझाव दिया ताकि थैलेसीमिया मेजर जैसे रोग से समाज बच सके। वर्तमान में भारत में इस रोग के करीब एक चौथाई रोगी सिंधी समुदाय के हैं, साथ ही पंजाबी, गुजराती, पारसी समुदाय भी इस रक्त रोग से बड़ी संख्या में ग्रस्त हो रहा हैं। सिकल सेल एनीमिया की तरह रक्त रोग थैलेसीमिया के नियंत्रण के लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता के अभियान आवश्यक है। कार्यक्रम में थैलेसीमिया जागरूकता प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में कंपनी सेक्रेट्री, चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में सफल युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय और महाविद्यालय पाठ्यक्रमों के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

नर्मदा पुरम निवासी लेखिकारेखा रतनानी, नगर कथा समाचार पत्र इटारसी के संपादक जम्मू सिंह उप्पल सहित अनेक नागरिक उपस्थित हुए।

विश्व इलेक्ट्रिक व्हीकल दिवस

परंपरागत ऊर्जा के घटते भंडार का सबसे बेहतर विकल्प इलेक्ट्रिक व्हीकल

भोपाल (नप्र)। विश्व इलेक्ट्रिक व्हीकल दिवस-दुनिया में जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और परंपरागत ऊर्जा के घटते भंडार के बेहतर उपायों में से इलेक्ट्रिक व्हीकल एक है। केन्द्र और राज्यों की सरकारें जनता में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लोकप्रिय बनाने के लिये कई तरह की सब्सिडी दे रही है। अनेक मोटर कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल में सुधार के लिये निरंतर रिसर्च कर रही हैं। हम सबके सामूहिक प्रयासों से इलेक्ट्रिक व्हीकल को आम जनता का विश्वस्नीय विकल्प बनाया जा सकता है। यह विचार अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने मंगलवार को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान - मेनिट में ईव्ही वर्कशॉप विद्युत-25 में व्यक्त किये।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि कोयला ऊर्जा 6 रूपये प्रति यूनिट और सोलर पॉवर 2 रूपये 15 पैसे प्रति यूनिट आये हैं। यह इस बात को साबित करता है कि हम सबको नवकरणीय ऊर्जा की तरफ तेजी से बढ़ने की आवश्यकता है। सोलर पॉवर की एक विशेषता यह भी है कि इसको स्टोर कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम में अपर आयुक्त श्री पारिक्षित झाड़े ने मध्यप्रदेश की नवीन ईव्ही पॉलिसी के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पॉलिसी को आगामी 5 वर्षों के लिये जारी किया गया है। पॉलिसी में उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिये अनेक प्रकार से सब्सिडी दी गई है।

समूह चर्चा- इलेक्ट्रिक व्हीकल को जनसामान्य में लोकप्रिय बनाने के लिये विशेषज्ञों ने समूह चर्चा भी की। चर्चा में बताया गया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल की कीमत में कमी लाने पर अभी और रिसर्च की जरूरत है। इसी के साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल को एक चार्जिंग में अधिकतम दूरी तय करने की क्षमता विकसित करने पर भी तेजी से कार्य किये जाने की जरूरत है। समूह चर्चा में यह भी बताया गया कि कार्मशियल व्हीकल को इलेक्ट्रिक व्हीकल के रूप में अधिक से अधिक उपयोग किये जाने पर हम ऊर्जा में काफी बचत कर सकते हैं। चर्चा में सर्वश्री रणधीर सिंह, ऋषि टंडन, चंद्रशेखर भिड़े ने प्रमुख रूप से विचार व्यक्त किये। मेनिट के डायरेक्टर श्री शैलेन्द्र जैन ने विश्व इलेक्ट्रिक व्हीकल दिवस के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक छात्र अक्षत अग्रवाल ने बताया कि कॉलेज में इलेक्ट्रिक व्हीकल को लेकर विद्यार्थियों के बीच अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस मौके पर इलेक्ट्रिक ऑटो एक्सपो में नवीनतम फोर व्हीलर, टू व्हीलर और कर्मशियल इलेक्ट्रिक व्हीकल का भी प्रदर्शन किया गया।

भोपाल मंडल से गुजरेगी 3 जोड़ी दिवाली-छठ पूजा स्पेशल ट्रेनें

इटारसी, भोपाल और बीना स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव, हजारों यात्रियों को होगा सीधा फायदा

भोपाल (नप्र)। त्योहारों में यात्रियों की भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे दीपावली और छठ पर्व के दौरान तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इनमें मुंबई-गोरखपुर, पुणे-गोरखपुर और नागपुर-समस्तीपुर के बीच विशेष ट्रेनें शामिल हैं।

ये सभी ट्रेनें भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों-इटारसी, भोपाल और बीना होकर गुजरेंगी। इससे इस क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधे लाभ मिलेगा। वरिष्ठ डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्री इन पूजा स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशनों, हेल्पलाइन रेल मदद 139 और ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबई-गोरखपुर-मुंबई स्पेशल (66 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01079- 26 सितंबर से 30 नवंबर तक रोजाना रात 10.30 बजे मुंबई (सीएसएमटी) से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01080- 28 सितंबर से 2 दिसंबर तक गोरखपुर से सुबह 11.30 बजे चलेगी और अगले दिन रात 12.40 बजे मुंबई (सीएसएमटी) पहुंचेगी।

प्रमुख ठहराव- मुंबई सीएसएमटी, दादर सेंट्रल, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड़, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर।

त्योहार के समय बढ़ जाती है ट्रेनों में भीड़

पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल (65 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01415 - 27 सितंबर से 30 नवंबर तक सुबह 6.50 बजे पुणे से चलेगी और अगले दिन शाम 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01416 - 28 सितंबर से 1 दिसंबर तक गोरखपुर से शाम 5.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन तड़के 3.15 बजे पुणे पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव -पुणे, दौंड कोर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड़, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर।

नागपुर-समस्तीपुर-नागपुर साप्ताहिक स्पेशल (10 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01207 - 24 सितंबर से 26 नवंबर तक हर बुधवार सुबह 10.40 बजे नागपुर से चलेगी और गुरुवार रात 9.30 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01208 - 25 सितंबर से 27 नवंबर तक हर गुरुवार रात 11.45 बजे समस्तीपुर से रवाना होगी और शनिवार सुबह 7 बजे नागपुर पहुंचेगी।

प्रमुख ठहराव -नागपुर, बैतूल, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर।

संदीप मील को 'स्वयं प्रकाश स्मृति' सम्मान

दिल्ली। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थान 'स्वयं प्रकाश स्मृति न्यास' ने सुप्रसिद्ध साहित्यकार स्वयं प्रकाश की स्मृति में दिए जाने वाले वार्षिक सम्मान की घोषणा कर दी है। न्यास के अध्यक्ष डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान इस बार कहानी विधा के लिए सुपरिचित कथाकार संदीप मील के कहानी संग्रह 'बोल काश्तकार' को दिया जाएगा। सम्मान के लिए तीन सदस्यी निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से इस कहानी संग्रह को वर्ष 2025 के लिए चयनित करने की अनुशंसा की है। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष प्रसिद्ध साहित्यकार अखिलेश तथा सदस्य कथा आलोचक राजीव कुमार और आलोचक पल्लव थे। संदीप मील के तीन कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं, जो इस प्रकार हैं - दूजी मीरा, कोकिलाशास्त्र और बोल काश्तकार। हाल ही में 'समंदर भर रेत' नाम से उनका पहला उपन्यास प्रकाशित हुआ है। इनके अतिरिक्त एक बाल कहानी संग्रह और कुछ वैचारिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। जनांदोलनों में सक्रियता के साथ मील ने राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट और पोस्ट डॉक्टरेट की है। मील की सक्रियता किसानों से लेकर संस्कृतिकर्मियों के बीच लगातार बनी रही है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि फरवरी में आयोज्य समारोह में कथाकार संदीप मील को सम्मान में ग्यारह हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किये जाएंगे।

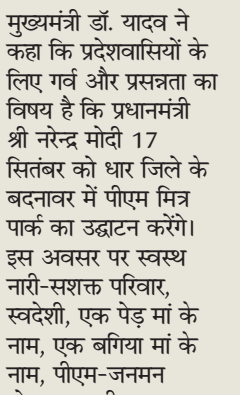

सुभाष नगर ब्रिज पर दबिश 7.5 किलो गांजा बरामद

भोपाल में अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार ओडिशा से लाता था गांजा

भोपाल (नप्र)। क्राइम ब्रांच भोपाल ने सोमवार को ओडिशा से गांजा तस्करी कर लाने वाले अंतरराज्यीय तस्कर को पकड़ा है। आरोपी से 7 किलो 540 ग्राम गांजा और एक मोबाइल जब्त किया गया है, जिसकी कुल कीमत करीब 1 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस की मानें तो एकता चौक थाना जहांगीराबाद के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से पीली प्लास्टिक की बोरी बरामद हुई। बोरी खोलने पर 8 पैकेट गांजा निकले, जिनका कुल वजन 7.540 किलो पाया गया। आरोपी के पास से एक ओप्पो कंपनी का एंड्रॉइड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

वर्ष 2025 में अब तक क्राइम ब्रांच ने 48 आरोपियों से कुल 258 किलो 441 ग्राम गांजा जब्त किया है।

घटना उस समय सामने आई जब क्राइम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सुभाष नगर ब्रिज स्थित बंद पेट्रोल पंप के पास एक युवक गांजा लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए टीम ने मौके पर घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। आरोपी की पहचान रंजीत सेन (30), पिता रूप सिंह सेन, निवासी बरखेड़ी

ओडिशा से लाता था गांजा- पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ओडिशा से सस्ते दामों में गांजा खरीदकर भोपाल लाता था और यहां थाना छोला मंदिर व निशातपुरा क्षेत्र में महंगे दामों पर बेचता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना गौतम नगर में मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज है। अब उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में विभागीय कार्यों समीक्षा की।

एमपी सरकार फिर 4 हजार करोड़ का कर्ज लेगी

लाड़ली बहनों, सेवा पर्व पर करेगी खर्च, सरकार पर कुल कर्ज 4.53 लाख करोड़ के पार

भोपाल (नप्र)। मोहन सरकार आज एक बार फिर 4,000 करोड़ रुपए का कर्ज उठाने जा रही है। यह कर्ज तीन हिस्सों में लिया जाएगा, जिसमें 1,500-1,500 करोड़ रुपए के दो और 1,000 करोड़ रुपए का एक लोन शामिल है। इससे पहले सरकार ने 26 अगस्त को भी 4,800 करोड़ रुपए का कर्ज बाजार से उठाया था। सरकार इस धनराशि का उपयोग लाड़ली बहना योजना की किस्त, सितंबर में मनाए जाने वाले सेवा पर्व और अलग-अलग बड़ी परियोजनाओं के भुगतान में करेगी।

कुल कर्ज पहुंचा 4.53 लाख करोड़ के पार

चालू वित्त वर्ष में मोहन सरकार अब तक मई, जून, जुलाई, अगस्त में कई बार कर्ज ले चुकी है। आज के ऋण के बाद चालू वित्त वर्ष में अब तक उठाया गया कुल कर्ज 31,900 करोड़ रुपए हो जाएगा। इसके साथ ही राज्य पर कुल बकाया कर्ज की राशि बढ़कर 4,53,640.27 करोड़ हो जाएगी। 31 मार्च 2025 तक की स्थिति में सरकार पर कुल कर्ज 4,21,740.27 करोड़ था।

सरकार ने दिया राजस्व सरप्लस का हवाला

सरकार का कहना है कि वह कर्ज लोन लिमिट के भीतर ही ले रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार 12,487.78 करोड़ के राजस्व अधिशेष (सरप्लस) में थी। उस साल सरकार की कुल आमदनी 2,34,026.05 करोड़ और खर्च 2,21,538.27 करोड़ था।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित अनुमान के अनुसार, प्रदेश की आमदनी 2,62,009.01 करोड़ और खर्च 2,60,983.10 करोड़ रहने की संभावना है। इस प्रकार 1,025.91 करोड़ का अनुमानित राजस्व अधिशेष है।

जीएसटी सुधार, आम आदमी को सुविधा और समृद्धि देने वाला उपहार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री करेंगे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का उद्घाटन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में नये जनरेशन का जीएसटी रिफॉर्म लाकर जो सुधार किया है, वह आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं के जीवन को स्वावलंबी बनायेगा। यह आम आदमी के जीवन को सुविधा देने वाला उपहार है। अब की बार पूरा देश स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प के साथ दीपावली मनाएगा। स्वदेशी से स्वावलंबन के दीप घर-घर जलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से कहा कि हम सब को जीएसटी सुधारों की जानकारी जन-जन तक पहुँचानी चाहिए। संचार के सभी माध्यमों से इसका प्रचार-प्रसार किया जाये।

अस्वच्छ क्षेत्रों का चिह्नांकन कर उन्हें स्वच्छ बनाने के लिए होंगी गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा की थीम पर सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। स्वच्छोत्सव की थीम पर शहरी और ग्रामीण इलाकों में अस्वच्छ क्षेत्रों का चिह्नांकन कर उन्हें स्वच्छ बनाने के लिए गतिविधियां होंगी। पखवाड़े के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन गतिविधियों में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक संगठनों को भी सहभागी बनाया जाए। मंत्रीगण प्रशासनिक, अधिकारी और राजनीतिक पदाधिकारी का सहयोग लेते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता- सेवा गतिविधियों का अधिक से अधिक विस्तार करें।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार की थीम पर होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को धार जिले के बदनावर में पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार, स्वदेशी, एक पेड़ मां के नाम, एक बगिया मां के नाम, पीएम-जनमन योजना, धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान और मिशन कर्मयोगी की थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

आगामी वर्षों की कार्य योजना और विजन डॉक्यूमेंट पर होगी चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशहरे के बाद भोपाल में दो दिवसीय कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर, एसपी, कमिश्नर, आईजी और पुलिस कमिश्नर भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस में आगामी वर्षों की कार्ययोजना और विजन डॉक्यूमेंट पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को इससे पहले अपने-अपने विभागों की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

अब यूरोप के जरिए दबाने की चाल

भारी टैरिफ आयद कर भारत को झुकाने में नाकाम रहा अमेरिका अब यूरोपीय देशो के जरिए भारत को दबाने की फिराक में है। यूरोपीय देश इसे कितना मानते हैं, यह देखने की बात है। अमेरिका की कोशिश है कि भारत की गर्दन दबोचने के लिए यूरोपियन यूनियन को साथ लिया जाए और भारत की मुश्किलें बढ़ाई जाएं। अमेरिका की इन कोशिशों को वहां के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के बयान के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। जिसमें स्कॉट ने कहा है कि रूस से तेल ख़रीदने वाले देशों के खिलाफ़ और सख़्ती की की जरूरत है। बेसेंट ने कहा कि अगर ईयू भी रूस से तेल ख़रीदने वाले देशों के ख़िलाफ़ अतिरिक्त पाबंदी लगाता है तो रूस की अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी। उन्होंने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लीयेन से रूस के ख़िलाफ़ और दबाव बनाने पर काफ़ी महत्वपूर्ण बात की है। गौरतलब है कि रूस से तेल ख़रीदने वालों में भारत भी अहम देश है और अमेरिका ने इसी का हवाला देकर अतिरिक्त 25 फ़ीसदी टैरिफ़ लगाया है। यानी भारत पर अमेरिका पहले ही कुल 50 फ़ीसदी टैरिफ़ लगा चुका है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका रूस पर और दबाव बनाने के लिए तैयार है लेकिन यूरोप के देशों को भी साथ आना चाहिए। अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि यूक्रेन की सेना कितने दिनों तक डटी रहती है और रूस की अर्थव्यवस्था कितने दिनों तक टिकी रहती है के बीच रेस है। अगर अमेरिका और ईयू साथ आते हैं तो रूस से तेल ख़रीदने वाले देशों के ख़िलाफ़ पाबंदी और सख़्त की जा सकती हैं और अतिरिक्त टैरिफ़ भी लगाया जा सकता है। इससे रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तबाह हो जाएगी और राष्ट्रपति पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत की टेबल पर आने के लिए मजबूर होंगे। उधर पिछले हफ्ते शुक्रवार को यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने कहा था कि यूरोपियन यूनियन वॉशिंगटन में एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है, जो रूस के ख़िलाफ़ और कड़े प्रतिबंधों पर बात करेगा। ईयू अमेरिका और अन्य साझेदारों के साथ रूस के ख़िलाफ़ सख़्त प्रतिबंध को लेकर बात कर रहा है। इसके पहले ट्रंप ने भी कहा था कि भारत जितनी मात्रा में रूस से तेल ख़रीद रहा है, उससे वह बहुत निराश हैं। ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारी भारत को लगातार निशाने पर ले रहे हैं। इनमें अमेरिका के वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री से लेकर ट्रंप के ट्रेड सलाहकार तक शामिल हैं। भारत का कहना है कि अमेरिका का टैरिफ़ बेवजह और अनुचित है। रूस से तेल आयात का बचाव करते हुए कहा है कि यह उसके हित में है। भारत ने यह भी कहा है कि रूस से एलएनजी ख़रीद में अब भी ईयू पहले नंबर पर है। एक तथ्य यह भी है कि चीन भारत की तुलना में रूस से ज़्यादा तेल ख़रीद रहा है लेकिन ट्रंप ने चीन पर भारत जितना टैरिफ़ नहीं लगाया है। अब सवाल यह है कि भारत के खिलाफ यूरोप के इस्तेमाल की ट्रंप की कोशिशों का हम पर क्या असर पडेगा? यदि यूरोपीय देश ट्रंप के भारत विरोध में शामिल हो गए तो इससे भारत का तो नुकसान होगा, उससे भी ज्यादा यूरोपीय देशों का होगा। वो पहले अमेरिका एहसान तले दबे हैं। ट्रंप उन्हें ब्लैकमेल कर सकते हैं। भारत की मुश्किलें ज्यादा इसलिए बढ़ेंगीं, क्योंकि भारत अमेरिका के साथ व्यापार में होने वाले नुकसान की कुछ भरपाई यूरोपीय देशों के साथ कारोबार बढ़ाकर करने की कोशिश में हैं। उधर यूरोपीय देशों को भी झटका लगना तय है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

लेखक स्तंभकार हैं।

अपराध और राजनीति के बीच खोती नैतिकता

आदर्श जननेता वही होता है जो ईमानदार, जिम्मेदार और जनहितैषी हो। उसकी निष्ठा केवल सत्ता या दल के प्रति नहीं, बल्कि जनता के प्रति होती है। वह जनता के दुख-दर्द को समझे और उनके समाधान को प्राथमिकता दे। किंतु आज की राजनीति में यह आदर्श बहुत पीछे छूट गया है। सत्ता की राजनीति में अक्सर धनबल और बाहुबल का प्रयोग होता है, और परिणामस्वरूप ऐसे लोग भी विधायिका तक पहुँच जाते हैं जिनका दामन अपराधों से दागदार होता है। भारत चुनाव आयोग और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्टें इस स्थिति की गवाही देती हैं। एक हालिया अध्ययन में सामने आया कि देशभर में विभिन्न राज्यों की सरकारों में करीब आधे मंत्री ऐसे हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, अपहरण, दंगे और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं।

राजनीति का अर्थ केवल सत्ता प्राप्ति या कुर्सी की होड़ नहीं है, बल्कि वह समाज की सेवा और जनकल्याण का सबसे बड़ा माध्यम है। लोकतंत्र में राजनीति को वह साधन माना गया है जिसके द्वारा जनता की समस्याओं का समाधान किया जाए, समाज में समानता, शांति और सौहार्द स्थापित किया जाए तथा विकास की राह प्रशस्त हो। किंतु आज जब हम चारों ओर दृष्टि डालते हैं तो राजनीति की यह आदर्श छवि कहीं धूमिल सी प्रतीत होती है। जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों पर अपराधों के गंभीर आरोप न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों को चोट पहुँचाते हैं, बल्कि जनता के विश्वास को भी डिगा देते हैं। यही कारण है कि आज सियासी शुचिता यानी राजनीतिक पवित्रता का प्रश्न हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है।

आदर्श जननेता वही होता है जो ईमानदार, जिम्मेदार और जनहितैषी हो। उसकी निष्ठा केवल सत्ता या दल के प्रति नहीं, बल्कि जनता के प्रति होती है। वह जनता के दुख-दर्द को समझे और उनके समाधान को प्राथमिकता दे। किंतु आज की राजनीति में यह आदर्श बहुत पीछे छूट गया है। सत्ता की राजनीति में अक्सर धनबल और बाहुबल का प्रयोग होता है, और परिणामस्वरूप ऐसे लोग भी विधायिका तक पहुँच जाते हैं जिनका दामन अपराधों से दागदार होता है। भारत चुनाव आयोग और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्टें इस स्थिति की गवाही देती हैं। एक हालिया अध्ययन में सामने आया कि देशभर में विभिन्न राज्यों की सरकारों में करीब आधे मंत्री ऐसे हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, अपहरण, दंगे और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह स्थिति किसी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए बेहद चिंताजनक है। लोकतंत्र का मूल आधार जनता का विश्वास है और यदि वही डगमगाने लगे तो व्यवस्था की जड़ें खोखली होने लगती हैं। जनता अपने प्रतिनिधियों से आदर्श आचरण की अपेक्षा करती है, लेकिन जब वही प्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं तो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़े हो जाते हैं। लोकतंत्र केवल कानून से नहीं चलता, उसकी आत्मा नैतिकता और शुचिता में बसती है। यदि राजनीति से नैतिकता ही विलुप्त हो जाए तो लोकतंत्र एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

अब प्रश्न यह है कि यह स्थिति उत्पन्न क्यों होती है। एक कारण तो यह है कि राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में उम्मीदवारों के चरित्र और पृष्ठभूमि की अनदेखी कर देते हैं। उन्हें केवल जीतने की संभावना दिखती है, चाहे वह व्यक्ति अपराधों में संलिप्त क्यों न हो। परिणामस्वरूप, ऐसे लोग राजनीति में प्रवेश पा जाते हैं और धीरे-धीरे राजनीति का अपराधीकरण गहराता चला जाता है। दूसरा कारण यह है कि कानून और न्याय की प्रक्रिया अत्यंत धीमी है। वर्षों तक मुकदमे अदालतों में लंबित रहते हैं और आरोपी बेधड़क राजनीति करते रहते हैं। चुनाव आयोग और

न्यायपालिका के पास अधिकार तो हैं, किंतु उनकी सीमाएँ भी स्पष्ट हैं। जब तक राजनीतिक दल स्वयं अपने स्तर पर शुचिता की गारंटी नहीं देते, तब तक इस समस्या का समाधान कठिन है।

इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के अनेक निर्णय उल्लेखनीय हैं। अदालत ने बार-बार कहा है कि राजनीतिक दल उन उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी जनता को दें और उम्मीदवार भी स्वयं इसे सार्वजनिक करें। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मतदाता यह जान सकें कि जिस व्यक्ति को वे चुनने जा रहे हैं, उसका अतीत कैसा है। किंतु व्यवहार में अक्सर इन निर्देशों की अनदेखी की जाती है। पार्टियाँ औपचारिक घोषणा तो कर देती हैं, लेकिन उम्मीदवारों को टिकट देते समय अपराधी छवि पर ध्यान नहीं देतीं। इसका अर्थ यही है कि नैतिक जिम्मेदारी से बचा जा रहा है।

सवाल यह भी है कि जनता की भूमिका इसमें क्या होनी चाहिए। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक है। यदि मतदाता अपराधियों को वोट देना बंद कर दें तो राजनीतिक दल स्वयं ऐसे लोगों को टिकट देने से बचेंगे। किंतु दुर्भाग्यवश अक्सर जातीय समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और तात्कालिक लाभ के आधार पर लोग मतदान करते हैं और उम्मीदवार के चरित्र की अनदेखी कर देते हैं। यह प्रवृत्ति भी राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ावा देती है। अतः केवल राजनीतिक दलों पर ही नहीं, बल्कि जनता पर भी यह जिम्मेदारी है कि वे सजग होकर मतदान करें और केवल उन उम्मीदवारों को चुनें जो ईमानदार, निष्ठावान और जनहितैषी हों।

सियासी शुचिता केवल कानूनी सवाल नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक सवाल भी है। जब तक राजनीति नैतिकता से ओत-प्रोत नहीं होगी, तब तक लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता। जनता और सरकार के बीच विश्वास का रिश्ता तभी मजबूत होगा जब नेता अपने आचरण से पारदर्शिता और ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान की धाराओं पर नहीं, बल्कि शासकों के नैतिक आचरण पर भी निर्भर करती है। यहाँ यह भी स्मरणीय है कि राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि यह समाज का दर्पण है। यदि राजनीति में अपराधीकरण होगा तो समाज का चरित्र भी उससे प्रभावित होगा। राजनीति समाज को दिशा देती है, और यदि दिशा ही दूषित हो जाए तो सामाजिक जीवन में भी भ्रष्टाचार और अराजकता बढ़ेगी। इसीलिए राजनीति की शुचिता को सुनिश्चित करना केवल एक वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आवश्यकता है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। सबसे पहले, राजनीतिक दलों को बाध्य किया जाना चाहिए कि वे किसी भी गंभीर आपराधिक मामले में फँसे व्यक्ति को टिकट न दें। चुनाव आयोग को कठोर रुख अपनाते हुए ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर करना चाहिए। साथ ही, न्यायपालिका को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजनीतिक मामलों से जुड़े मुकदमे त्वरित गति से निपटाए जाएँ। यदि दोष सिद्ध हो तो तत्काल अयोग्यता घोषित हो और दोषी व्यक्ति को राजनीति से दूर रखा जाए। इसके साथ ही, जनता को जागरूक करना सबसे बड़ा कार्य है। शिक्षा और जनचेतना के माध्यम से ही मतदाता समझ पाएगा कि सच्चे नेता का चयन करना क्यों आवश्यक है।

जब तक राजनीति में ईमानदारी और पारदर्शिता नहीं आएगी, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज हमें यह स्वीकार करना होगा कि राजनीति सेवा का माध्यम है, न कि व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्ध करने का साधन। जिस दिन जनप्रतिनिधि इसे हृदय से मान लेंगे, उस दिन से राजनीति का स्वरूप बदल जाएगा। जनता का विश्वास पुनः स्थापित होगा और लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। सियासी शुचिता की मांग केवल एक आदर्श की बातें नहीं हैं, बल्कि यह हमारी लोकतांत्रिक जीवन-रेखा है। हमें ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो अपनी नीतियों और निर्णयों से नहीं, बल्कि अपने आचरण और चरित्र से जनता के दिलों को जीतें। जब राजनीति से अपराध और भ्रष्टाचार का अंधकार हटेगा तभी राष्ट्र विकास और प्रगति की ओर अग्रसर होगा। लोकतंत्र का असली सौंदर्य तभी खिलेगा जब सत्ता के गलियारों में ईमानदारी और नैतिकता की सुगंध फैलेगी। यही सच्चे अर्थों में सियासी शुचिता है, और यही हमारे भविष्य का मार्गदर्शन कर सकती है।

राजनीति

ऋतुपर्ण दवे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।

संगठित होना फिर कब सीखेगी काँग्रेस?

कांग्रेस में अंतर्कलह है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बावजूद इसके राहुल गांधी संगठन के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इससे राहुल की छवि यकीनन बदली है। उन्हें गंभीरता से लिया जाना बताता है कि कांग्रेस के बुरे दिन जरूर हैं लेकिन पार्टी में नया जोश भरने में वो पीछे नहीं है। लेकिन, क्या संगठन में मौजूद तमाम वरिष्ठ और जिम्मेदार भी यह समझेंगे? राहुल पार्टी का सम्मानजनक आधार बनाने और समर्थक दलों से एकजुटता खातिर रात-दिन एक कर रहे हैं। उनकी तमाम यात्राएं या अभी बिहार में सक्रियता सामने है। लेकिन संगठन और कार्यकर्ता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे?

अभी मध्यप्रदेश में पांच बरस पहले सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस में संगठन की हुई नई-नई सर्जरी बाद जो घमासान मचा, वह नया नहीं था, अलबत्ता टाइमिंग गलत रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 71 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। 21 को फिर जिम्मेदारी और 50 नए चेहरे लिए। 3 पूर्व मंत्री, 6 मौजूदा और 11 पूर्व विधायक सहित 4 महिलाओं, 12 ओबीसी, 10 एसटी, 8 एससी और तीन अल्पसंख्यकों को जिलों की कमान सौंपी गई। इस पर तर्क-वितर्क, विरोध भी शुरू हो गया। पटवारी ने मान-मनव्वल किया। सोशल मीडिया पर लिखा कि सबके सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र कांग्रेस की पहचान बनेगा। वंचित रहे साथियों को जल्द नई जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं बिना देरी सभी नव नियुक्त गुरुमंत्र देने के नाम पर दिल्ली तलब किए गए। कैडर प्रबंधन के टिप्स 9-ए, कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस दफ्तर में दिए गए। राहुल लगभग एक घण्टा बोले और साफ कर दिया कि अगले 6 महीनों तक तक कोई नहीं बदलेगा। सबका काम देखेंगे।

नव नियुक्त दिल्ली से लौटे नहीं कि मध्यप्रदेश के दो दिग्गजों की सोशल मीडिया जंग ने नया रंग ले लिया। पुराने जख्म कुरेदे जाने लगे। मार्च-2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने से मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिरी थी। जबकि 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल की हर रैली के दाएं-बाएं कमलनाथ और सिंधिया ही दिखते थे। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि सिंधिया को लगता था कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। इसी नाराजगी से कांग्रेसी विधायकों को तोड़ सरकार गिरा दी गई। वहीं दिग्विजय सिंह, कमलनाथ-सिंधिया के बीच ग्वालियर-चंबल मुद्दों पर सहमति न बन पाना सरकार गिरने की वजह बताते हैं। सच जो भी हो वही जानें। लेकिन संदेश अच्छा नहीं गया। उधर 2020 और उसके बाद कांग्रेस सरकार गिरने के बाद हुए कई स्थानीय निकायों या ऐसे दूसरे चुनावों में साफ बहुमत के बावजूद कांग्रेस को जगह-जगह क्यों शिकस्त मिली? इसका जवाब न तो किसी कांग्रेसी के था न ही वो फॉर्मूला जिसने जीतकर भी बैकफुट पर पहुंचाये। समझकर, जानकर भी ऐसे जनप्रतिनिधि ढ़ोना मजबूरी बनीं। हालांकि कई मौका देखते ही पार्टी से दगा कर गए। आलाकमान की इस पर चिंता जरूर समझ आती है।इंदिरा जी के कार्यकाल में और उनके बाद भी बगावत दिखती थी। लेकिन हर बार पार्टी बिखरती, उबरती, टूटती और फिर जुटती-जुड़ती रही। लेकिन ये क्या, 2014 के बाद संगठन में बिखराव और दिग्गजों का जो रूठना-टूटना शुरू हुआ, रुक नहीं रहा है।

लगता नहीं कि संगठन में अनुशासन की पाठशाला के जो शिक्षक हैं वो या तो ट्रेन्ड नहीं है या वक्त बिता रहे हैं? सोचिए भला उस प्रदेश में जिसके लिए चंद घण्टे पहले अनुशासन की इबारत और संगठन की लंबी क्लास चली, वहीं पलक झपकते दिग्गज ही सब कुछ भुला दें? एक ही पार्टी के दो पूर्व मुख्यमंत्री बाहें चढ़ा मैदान में वाकयुध्द की तलवार भांजते नजर आएं! हिमाचल और कर्नाटक में भी जो खींचतान और तल्खी दिखती है वह जगजाहिर है। अन्य प्रदेशों में भी संगठन का कमोवेश यही हाल है।

पार्टी शुध्दिकरण की नीयत से राहुल का वो बयान काबिल-ए-तारीफ है जिसमें उन्होंने रेस के घोड़ों को बारात में और बारात के घोड़ों को रेस में दौड़ाने जैसी बात कहकर संगठन पर ही उंगली उठा बड़े बदलाव का संकेत दिया था। संगठन के शुध्दिकरण खातिर संदिग्धों की बर्खास्तगी की चेतावनी के भी मायने गहरे हैं। इस बीच कई राज्यों से ऐसे उदाहरण आए जहां स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने बहुत बेहतर किया। ज्यादा पार्षद जीते फिर भी अध्यक्ष या मेयर बनाने में कांग्रेस गच्चा खा गई। कांग्रेस के चिन्ह पर चुनाव जीतकर भाजपा में शामिल होने वाले मौकापरस्तों की फेहरिस्त भी बढ़ती चली गई। दलबदल का ट्रेन्ड और भाजपा के खुले दरवाजे की चोट सबसे ज्यादा कांग्रेस को मिली है। राहुल ने शायद यही सब देखा, समझा और कहना चाहा हो?

लेकिन, जिस तरह राहुल चुनावी राज्यों में भाजपा पर आक्रामक दिखते हैं, अपनी बात कहते हैं उससे माहौल बनता तो दिखता है। लेकिन जब नतीजे आते हैं तो कांग्रेस पहले से भी बुरी स्थिति में पहुंच जाती है। शायद राहुल भितरघातियों की करतूतें समझते हों? महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली विधानसभा के नतीजों के बाद जबरदस्त बैकफुट पर होने के बावजूद पहले गुजरात दौरा और अब बिहार में पसीना बहाना बताता है कि वो पार्टी की मजबूती खातिर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। राहुल की सक्रियता से तमाम तुरुपों, दिग्गजों की बेचैनी भी झलकती है। चाहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय हो या हालिया कुंभ स्नान या फिर थोड़ा पहले अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर कई कांग्रेसियों के अलग-अलग और तर्क-वितर्क से भरे बयानों ने संगठन खातिर कैसा काम किया, सबके सामने है।

जहां भाजपा खुलकर सनातन की बात कर खुद को दिनों दिन मजबूत करती जा रही है वहीं कांग्रेस में सनातन और धर्म पर विवादास्पद बयानबाजी करते नेता खुद ही संगठन के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। अभी मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार का बयान पूरे देश में चर्चाओं में है जिसमें वो कहते हैं 'गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं,...वो शबरी आदिवासी ही थी जिसने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए।' जबकि मध्यप्रदेश क्या देश में तमाम ऐसे तीज-त्योहार हैं जो आदिवासियों के चलते ही विशेष पहचान रखते हैं। दशहरा, होली(फगुआ) जैसे कई त्योहार इसकी मिशाल हैं। हां, परंपरा के नाम पर हर जातियों की अपनी अलग पूजा पध्दति तो पुरातन से है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि वो गैर हिन्दू हैं?वास्तव में एक मजबूत विपक्ष, सशक्त देश की जरूरत है। भले ही विपक्ष, सत्ता में जल्द आए, न आए कम से कम खुद तो एक जुट रहे और सहयोगियों से भी यही उम्मीद करे। क्या कांग्रेस अपने पुराने दौर और ठौर में पहुंच पाएगी या फिर राहुल की बेबाकी और भारी पड़ेगी? फिलाहाल देखना होगा कि दशकों से उन्हीं घोड़ों को जोत रेस में दौड़ती कांग्रेस नए घोड़ों से अदला-बदली कर हॉर्स पॉवर का सही मैनेजमेण्ट कर सकेगी? बड़बोले नेताओं के बेतुके जुबानी तीर कब तक निकलते रहेंगे। क्या अवसरवादियों, भितरघातियों को बाहर का रास्ता कभी दिखाएगा जाएगा या फिर वही काम निकालो और निकल लो की तर्ज पर भितरघातिए मनमानी करते रहेंगे?

जो है, जैसा है कब तक चलता रहेगा? शायद बरसों-बरस से एक ही चेहरा देख रहे लोग कांग्रेस से मुंह मोड़ रहे हैं, नए लोग खासकर युवा पीढ़ी इसीलिए नहीं जुड़ पा रही है। कांग्रेस के तमाम सह-संगठन भी कागजी होकर रह गए हैं। काश, कांग्रेस और कांग्रेसी भी समूचे देश के संदर्भ में समझ पाते कि ÷समय-समय में होत है, समय-समय की बात, एक समय में दिन बड़ा एक समय में रात।

अपराधों में लिप्त से क्या आस करें

दृष्टिकोण

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

हाल ही में चुनाव सुधार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में देश के कुल 643 मंत्रियों के चुनाव के समय दिए गए शपथ पत्रों का विश्लेषण किया गया। इसमें यह पाया गया कि देश में 47 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इतना ही नहीं 174 मंत्रियों पर गंभीर आरोप भी लगे हैं। अब ऐसे मंत्रियों से आमजन क्या आस करें, जो अपराधों में लिप्त हो एडीआर की रिपोर्ट ने देश के 27 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों तथा केन्द्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया। इन शपथ पत्रों के अनुसार देशभर के 302 मंत्री, जो करीब 47 प्रतिशत होते हैं, ने खुद पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की बात स्वीकार की हैं। इतना ही नहीं इन मंत्रियों में से 174 मंत्री, ऐसे भी है जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ जैसे गंभीर आरोप भी हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार केन्द्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 मंत्रियों ने जो करीब 40 प्रतिशत होते है, अपने पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार की हैं। एडीआर की इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चुनावों के समय जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है वे 2020 से 2025 के दौरान दाखिल किए गए थे।

एडीआर की उक्त रिपोर्ट के संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव के कुछ दिन बाद ही एडीआर की यह रिपोर्ट सामने आई है। इस कारण से इस रिपोर्ट की बड़ी अहमियत है।आपराधिक प्रकरणों में लिप्त पाए गए इन मंत्रियों में लगभग सभी दलों के मंत्री शामिल पाए गए हैं। जैसे भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। यह 40 प्रतिशत है। इसके साथ ही 88 मंत्रियों पर गंभीर आरोप हैं। यह 26 प्रतिशत पाया गया है। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 मंत्रियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। यह 74 प्रतिशत है। यही नहीं इस पार्टी के 18 मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। यह 30 प्रतिशत पाया गया है।

इसी प्रकार डीएमके के 31 मंत्रियों में से 27 पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। यह 47 प्रतिशत है। इस दल के 14 मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगे हैं। यह 45 प्रतिशत पाया गया है। टीएमसी के 40 मंत्रियों में से 13 पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। यह 33 प्रतिशत है। इस दल के 8 मंत्रियों पर गंभीर आरोप हैं। यह 20 प्रतिशत पाया गया है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 मंत्रियों में से 22 मंत्रियों पर आपराधिक प्रकरण हैं। सह सर्वाधिक 96 प्रतिशत है। इस दल के 13 मंत्रियों पर गंभीर प्रकरण है। यह 57 प्रतिशत पाया गया। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 मंत्रियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जो 69 प्रतिशत है।

इस दल के 5 मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगे है। यह 31 प्रतिशत पाया गया। आपराधिक प्रकरणों में लिप्त पाए गए मंत्रियों की राज्यवार स्थिति भी चौंकाने वाली है। आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में आरोपी पाए गए हैं। इस स्थिति में 4 राज्यों के मंत्रियों से आशाजनक खबर भी है। ये राज्य हैं- हरियाणा, जम्मूकश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड। इन राज्यों के किसी भी मंत्री पर कोई आपराधिक प्रकरण नहीं पाया गया है। एडीआर की रिपोर्ट में आपराधिक प्रकरणों में लिप्त मंत्रियों की सम्पत्ति का भी विश्लेषण किया गया है। इसके अनुसार कुल 643 मंत्रियों की कुल सम्पत्ति 23,929 करोड़ रूपए है। औसतन हर मंत्री के पास 37.21 करोड़ रूपए की सम्पत्ति है। 30 विधानसभाओं में से 11 विधानसभाओं में अरबपति मंत्री है। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 8 अरबपति मंत्री है। इसी प्रकार आन्ध्रप्रदेश में 6 और महाराष्ट्र में 4 मंत्री है। केन्द्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 6 मंत्री अरबपति है। यह सर्वज्ञात गोपनीय सत्य है कि चुनाव में मंत्री या उम्मीद्वार अपने शपथपत्र में जो सम्पत्ति घोषित करता है, वह एक नम्बर की यानी व्हाईट मनी होती है। आमजन में यह मान्यता है कि वास्तव में उनके पास जो सम्पत्ति बताई जा रही है, उससे कम से कम 10 से 50 गुना ज्यादा होती है !

एडीआर की उक्त रिपोर्ट आम नागरिकों के लिए एक चौंकाने वाली खबर है। जब केन्द्र और राज्य सरकार के इतने सारे मंत्रियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और अनेक पर गंभीर आरोप लगे हैं, ऐसी स्थिति में आमजन यह सोच रहा है कि ऐसे मंत्रियों से क्या आशा रखें जो खुद आपराधिक प्रकरणों में लिप्त हो ? इस समस्या का क्या निदान है ? आमजन को चुनाव के समय यह सोचना चाहिए कि वे खुद ये तय करें कि जो उम्मीद्वार उनके सामने है, उस पर यदि कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और गंभीर आरोप लगे हैं, तो उन्हें कदापि नहीं चुने ! जब तक आमजन यह तय नहीं करेगा, तब तक ऐसे ही आपराधिक प्रकरणों में दर्ज और गंभीर आरोपों में लिप्त पाए गए मंत्री ऐश करते रहेंगे !

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वोट बैंक की आरती और आज की कमाई

रेलवे स्टेशन पर हमेशा की तरह हलचल थी। ट्रेनों का आना-जाना, मुसाफिरों की जल्दबाज़ी, और इन सबके बीच एक पान की दुकान, जिसकी छोटी सी दुनिया में दो किरदार मौजूद थे। एक था पानवाला, रामदीन, जिसकी उम्र का पता उसके मुँह में भरे पान और उसके चेहरे पर पड़ी सिकुड़नों से चलता था। दूसरा, उसका सहायक कल्लू, जो अभी जवानी की दहलीज पर कदम रख रहा था। आज वे दोनों बड़े खुश थे, उनकी खुशी का कारण पान-मसाले की बिक्री नहीं, बल्कि शाम को मिलने वाले पैसे थे।तो आज की भीड़ में हमारा भी नंबर लग गया, रामदीन ने अपने मुँह से पान थूकते हुए कहा। उसकी आवाज़ में एक अजीब सा गर्व था, जैसे वह किसी बड़े सरकारी समारोह में जाने वाला हो। कल्लू ने हँसते हुए जवाब दिया, ÷हाँ, रामदीन चाचा ! आज हम भी नेताजी की रैली में शामिल होंगे। सुना है, रुपया भी मिलेगा और बिरयानी भी। कल्लू की आँखों में पैसे और खाने की चमक थी।

आजकल राजनीति का खेल बड़ा अजीब हो गया है। रामदीन और कल्लू जैसे लोग, जो दिन भर अपनी रोजी-रोटी कमाने में लगे रहते हैं, अब नेताओं की भीड़ का हिस्सा बनकर अपनी कमाई कर रहे थे। रामदीन ने कल्लू को समझाया, देख बेटा, यह सियासत का नया धंधा है। अब नेता मुद्दों पर नहीं, भीड़ पर वोट मांगते हैं। और यह भीड़ हम जैसे लोगों की है, जो चंद रुपयों के लिए नारे लगाने को तैयार हो जाते हैं।

कल्लू ने पूछा, चाचा, लेकिन ये लोग इतना पैसा खर्च क्यों करते हैं? सीधे-सीधे जनता से क्यों नहीं मिलते? रामदीन ने उसकी तरफ देखा और एक ठंडी साँस भरी। अरे ! जनता से मिलने का समय कहाँ है? यह तो सब दिखावा है। नेताजी जानते हैं कि जनता को क्या चाहिए। जनता को रोटी, कपड़ा, मकान नहीं चाहिए। उन्हें नाटक चाहिए, तमाशा चाहिए। और इस तमाशे में हम जैसे लोग सबसे अहम किरदार निभाते हैं। हम ही तो वह भीड़ हैं जो तालियाँ बजाकर, नारे लगाकर नेताजी को महान बनाती हैं। शाम को वे दोनों बताए गए जगह पर पहुँचे। वहाँ पहले से ही सैकड़ों लोग मौजूद थे। वे सब रामदीन और कल्लू की तरह ही थे - कोई मज़दूर, कोई ठेला लगाने वाला, कोई रिक्शा वाला। सबके चेहरे पर एक ही भाव था - आज की कमाई। एक आदमी ने उन्हें टोकन दिया और समझाया कि नेताजी के आते ही क्या-क्या नारे लगाने हैं। रामदीन ने कल्लू से कहा, देख ! यह है आजकल की राजनीति। यहाँ हर काम का एक रेट है। नारा लगाने का अलग, ताली बजाने का अलग, और सबसे बड़ी बात, चुनाव में वोट देने का अलग। तभी नेताजी मंच पर आए। मंच पर आते ही तालियों की गड़गड़ाहट शुरू हो गई। यह तालियाँ कोई खुशी से नहीं बजा रहा था, बल्कि सब अपने-अपने हिस्से का काम कर रहे थे। नेताजी ने माइक थामा और भाषण देना शुरू किया। उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए। बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी - हर समस्या का समाधान उनके पास था। रामदीन और कल्लू, जो दिन भर इन्हीं समस्याओं से जूझते थे, उनके भाषण को सुनकर मुस्कुरा रहे थे। अरे ! अगर ये सब इतना आसान होता, तो हमें आज यहाँ क्यों आना पड़ता? रामदीन ने कल्लू से धीरे से कहा।नेताजी ने कहा, हमारी सरकार आएगी तो हम गरीबों को मुफ्त घर देंगे। यह सुनकर कल्लू हँसा। चाचा ! ये तो पिछले चुनाव में भी यही कहा था। रामदीन ने जवाब दिया, बेटा, ये वादे बस बोलने के लिए होते हैं। इनके पास न तो कोई योजना होती है, न कोई इरादा। ये तो बस जनता को बेवकूफ बनाने का एक तरीका है। भाषण के बीच-बीच में भीड़ को नारे लगाने के लिए उकसाया जा रहा था। रामदीन और कल्लू भी नारे लगा रहे थे। नेताजी जिंदाबाद ! हमारी सरकार आएगी ! वे दोनों मन ही मन सोच रहे थे कि क्या वाकई इन नारों से कुछ बदलने वाला है?

रामदीन ने कहा, आज की राजनीति मुद्दों की नहीं, बस भीड़ के खेल की है। जिस नेता के पास जितनी ज्यादा भीड़, वह उतना ही बड़ा नेता। कोई यह नहीं देखता कि उस भीड़ में कौन है, और वह क्यों आया है। नेताजी का भाषण समाप्त हुआ। लोगों को बिरयानी के पैकेट और 200-200 रुपये दिए गए। रामदीन ने कल्लू को कहा, देख, यही है असली खेल। मुद्दे भूल जाओ, और इस तमाशे में शामिल हो जाओ। वे दोनों खुशी-खुशी अपने घर की ओर चल पड़े। अगले दिन, रामदीन और कल्लू अपनी दुकान पर बैठे थे। ग्राहक आ-जा रहे थे। जीवन फिर से अपनी पुरानी रफ़्तार में लौट आया था। कल्लू ने पूछा, चाचा, कल का पैसा तो मिल गया, लेकिन क्या सच में नेताजी वादे पूरे करेंगे? रामदीन ने पान का बीड़ा बनाया और कल्लू को थमा दिया। अरे ! वादों की बात छोड़ो। वादे तो चुनाव के बाद पुराने अखबार के पन्ने बन जाते हैं।उनकी बात सुनकर लगा, जैसे राजनीति एक ऐसा सर्कस हो जहाँ कलाकार रोज नए-नए करतब दिखाते हैं, और जनता सिर्फ तालियाँ बजाकर चली जाती है। बेटा, रामदीन ने कहा, जब तक हम जैसे लोग चंद रुपयों के लिए बिकते रहेंगे, तब तक नेताजी हमें ऐसे ही खरीदते रहेंगे। मुद्दों की क्या बात है? मुद्दे तो तब होंगे जब जनता समझेगी कि वोट देना सिर्फ बटन दबाना नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी को किसी के हवाले करना है।

अंत में, रामदीन ने कल्लू से कहा, राजनीति कोई किताब नहीं, बेटा। यह तो एक तमाशा है, जिसमें हम जैसे लोग पैसे देकर लाई गई भीड़ का हिस्सा बनकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। हम दर्शक भी हैं, और कलाकार भी। और इस खेल में जीत हमेशा उसकी होती है, जिसकी झोली में सबसे ज्यादा रुपये हों।

श्राद्ध पक्ष

दामिनी ठाकुर

हमारे पूर्वजों को सम्मान देने का पर्व

'श्राद्ध' शब्द श्रद्धा से आया है। इसका मतलब सिर्फ पूजा-पाठ नहीं, बल्कि दिल से सम्मान और कृतज्ञता दिखाना है। जब हम पितरों को अर्पण करते हैं, हमारा भाव सबसे ज्यादा मायने रखता है। यह कर्म हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ता है और उनके आशीर्वाद को महसूस कराता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व हमारे पूर्वजों की वजह से ही संभव हुआ। श्राद्ध का जिक्र गरुड़ पुराण, महाभारत और विष्णु पुराण में मिलता है। भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध का महत्व बताया। महाभारत में बताया गया कि कर्ण ने जीवन में बहुत दान दिया, लेकिन पितरों का श्राद्ध नहीं किया। इसलिए उसे स्वर्ग में भोजन के बजाय आभूषण मिले। गरुड़ पुराण के अनुसार, जो श्रद्धा से श्राद्ध करता है, उसके पितर हमेशा प्रसन्न रहते हैं।

भारतीय संस्कृति की खास बात यह है कि यहां जीवन के हर हिस्से का गहरा मतलब होता है- जन्म हो, जीवन हो या मृत्यु। हमारे यहाँ सिर्फ जीवित लोगों का ही नहीं, बल्कि हमारे दिवंगत पूर्वजों का भी आदर किया जाता है। इसी वजह से श्राद्ध और पितृ पक्ष का चलन है। यह पर्व हमें अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और आस्था जताने का मौका देता है।

पितृ पक्ष, जिसे महालय भी कहते हैं, भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक 16 दिन चलता है। इन दिनों माना जाता है कि हमारे पूर्वज धरती पर आकर अपने वंशजों की तरफ देखते हैं और उनसे जल, तर्पण और भोजन की अपेक्षा रखते हैं। इसलिए इन दिनों श्राद्ध और तर्पण करना जरूरी माना जाता है।

'श्राद्ध' शब्द श्रद्धा से आया है। इसका मतलब सिर्फ पूजा-पाठ नहीं, बल्कि दिल से सम्मान और कृतज्ञता दिखाना है। जब हम पितरों को अर्पण करते हैं, हमारा भाव सबसे ज्यादा मायने रखता है। यह कर्म हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ता है और उनके आशीर्वाद को महसूस कराता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व हमारे पूर्वजों की वजह से ही संभव हुआ।

श्राद्ध का जिक्र गरुड़ पुराण, महाभारत और विष्णु पुराण में मिलता है। भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध का महत्व बताया। महाभारत में बताया गया कि कर्ण ने जीवन में बहुत दान दिया, लेकिन पितरों का श्राद्ध नहीं किया। इसलिए उसे स्वर्ग में भोजन के बजाय आभूषण मिले। गरुड़ पुराण के अनुसार, जो श्रद्धा से श्राद्ध करता है, उसके पितर हमेशा प्रसन्न रहते हैं।

श्राद्ध में मुख्य रूप से तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन शामिल हैं

1. **तर्पण** - जल में तिल और कुश डालकर अर्पित करना।
2. **पिंडदान** - चावल के पिंड अर्पित करना।
3. **ब्राह्मण भोजन** - ब्राह्मणों को भोजन कराना और दक्षिणा देना।
4. **विशेष दिन** - अलग रिश्तों के श्राद्ध के अलग दिन होते हैं। जिनकी तारीख याद न हो, उनके लिए सर्वपितृ अमावस्या विशेष होती है।

सामाजिक और वैज्ञानिक नजर

श्राद्ध सिर्फ पूजा-पाठ नहीं है, इसके कुछ सामाजिक और वैज्ञानिक फायदे भी हैं-

कृतज्ञता - मनोविज्ञान कहता है कि जो व्यक्ति कृतज्ञ होता है, उसका जीवन संतुलित और खुशहाल होता है।

सामाजिक जुड़ाव - परिवार और समाज का मिलकर श्राद्ध करना आपसी रिश्तों को मजबूत करता है।

प्रकृति से जुड़ाव - जल और अन्न अर्पित करना प्रकृति के प्रति आभार है।

स्वास्थ्य - इस समय सात्त्विक आहार लेने और संयमित रहने से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं।

बंगाल में महालय के दिन देवी दुर्गा के आगमन की तैयारी होती है। पितरों की प्रसन्नता से घर में सुख-समृद्धि आती है। सर्वपितृ अमावस्या उन पितरों के लिए होती है जिनकी मृत्यु की तारीख किसी को नहीं पता। आज की नई पीढ़ी अक्सर परंपराओं से दूर हो रही है, लेकिन पितृ पक्ष हमें याद दिलाता है कि जीवन सिर्फ 'मैं' का नहीं, बल्कि 'हम' का भी है। यह हमें हमारी जड़ों से जोड़कर रखता है। पूर्वजों को सम्मान देना ही असली आधुनिक मूल्य है।

श्राद्ध हमें मृत्यु का सच बताता है। यह सिखाता है कि जीवन अस्थायी है और हमें नम्रता और अनुशासन के साथ जीना चाहिए।

पितरों का स्मरण हमें आभार, विनम्रता और जिम्मेदारी सिखाता है। यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों को यह शिक्षा देती है कि पूर्वजों का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। श्राद्ध और पितृ पक्ष सिर्फ रस्म नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की आत्मा हैं।

यह हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ता है, हमारी परंपराओं को जीवित रखता है और सिखाता है कि सच्ची समृद्धि हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद और संस्कारों में है। जिस पेड़ की जड़ें मजबूत होती हैं, उसकी शाखाएँ ऊँचाई तक फैलती हैं। हमारे पूर्वज हमारी जड़ें हैं और हम उनकी शाखाएँ। उन्हें याद करना ही सच्ची पूजा है।

आत्महत्या रोकथाम में समाज कैसे निभाए अपनी जिम्मेदारी

आत्महत्या रोकथाम दिवस

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक हैं

हर साल आत्महत्या लाखों लोगों की जान ले लेती है। यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता का दर्पण है। लंबे समय तक आत्महत्या रोकथाम को सिर्फ मनोचिकित्सकों की जिम्मेदारी समझा गया, लेकिन सच्चाई यह है कि आत्महत्या बहु-आयामी समस्या है और इसकी रोकथाम सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

1. परिवार की भूमिका

परिवार सबसे पहला सहारा है। भावनात्मक संवाद, समय पर ध्यान और सहानुभूति व्यक्ति को निराशा से उबार सकती है। परिवार को यह समझना होगा कि मानसिक बीमारियाँ उतनी ही वास्तविक हैं जितनी शारीरिक बीमारियाँ। आलोचना और कलंक की जगह अपनापन और मदद ज़रूरी है।

2. शिक्षा जगत की भूमिका

स्कूल और कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा अनिवार्य की जानी चाहिए। छात्रों को स्ट्रेस मैनेजमेंट, भावनात्मक अभिव्यक्ति और मदद लेने की आदत सिखाई जाए। अध्यापक शुरुआती संकेत पहचानकर समय रहते हस्तक्षेप कर सकते हैं।

3. कार्यस्थल और संस्थानों की जिम्मेदारी

कॉर्पोरेट और सरकारी संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य नीति लागू होना चाहिए। तनावग्रस्त कर्मचारियों के लिए हेल्पलाइन, काउंसलिंग और लचीले कार्य वातावरण की व्यवस्था आत्महत्या रोकथाम में अहम योगदान देती है।

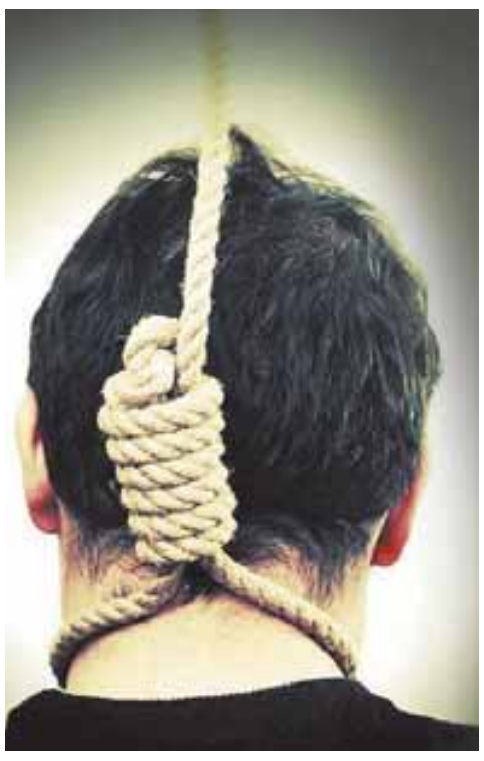

4. मीडिया और सोशल मीडिया का असर

आत्महत्या की सनसनीखेज या अनुचित रिपोर्टिंग दूसरों को भी वही कदम उठाने के लिए प्रेरित कर सकती है। जिम्मेदार पत्रकारिता, सकारात्मक कहानियों को साझा करना और हेल्पलाइन नंबरों को प्रमुखता देना मीडिया का कर्तव्य है।

5. समाज और समुदाय का योगदान

पड़ोसी, मित्र, सहकर्मी सबकी छोटी-छोटी संवेदनशील पहल जीवन बचा सकती है। सामुदायिक कार्यक्रम, जागरूकता अभियान और नशा मुक्ति जैसी पहलकदमियाँ आत्महत्या की जड़ों पर वार करती हैं।

6. सरकार और नीति-निर्माताओं की भूमिका

सस्ती और सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ, आत्महत्या हेल्पलाइन, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ आत्महत्या दर को घटाने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं।

निष्कर्षत: आत्महत्या रोकथाम की जिम्मेदारी केवल डॉक्टरों की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब परिवार संवाद बढ़ाए, स्कूल शिक्षा दे, कार्यस्थल सहयोग करे, मीडिया जिम्मेदारी निभाए और सरकार नीतियाँ बनाए तभी मिलकर हम आत्महत्या जैसी त्रासदी को रोक पाएंगे।

आत्महत्या रोकी जा सकती है। ज़रूरत है तो केवल जागरूक और साझा प्रयास की।

निस्वार्थ प्रेम- अधूरेपन में छिपी पूर्णता

विचार

तनुजा चौबे

लेखक साहित्यकार हैं।

दो लोगों के बीच संवाद कभी मुखर होता है और कभी मौन में। यह मौन भी उतना ही गहरा होता है जितना कि शब्दों का उच्चारण। वास्तव में यह संवाद हृदय की सबसे पवित्र और दिव्यता से ओत-प्रोत आध्यात्मिक अनुभूति होता है। यही वह आधार है, जिस पर संसार के समस्त रिश्ते खड़े होते हैं। इसका स्वरूप हर परिस्थिति और हर स्थिति में एक-सा बना रहता है। यही स्वरूप हमें प्रेम के रूप में दिखाई देता है।मौन की भाषा प्रेम की सबसे गहन भाषा है। जब शब्द थम जाते हैं, तब भावनाएँ मौन की शरण लेती हैं। एक दृष्टि, एक स्पर्श, या केवल उपस्थिति ही कह देती है वह सब, जो शब्दों में व्यक्त नहीं हो पाता। मौन का यह संवाद आत्मा को छूकर भीतर तक उतर जाता है। इसी मौन की गहराई प्रेम को शाश्वत बनाती है, क्योंकि इसमें न कोई तर्क होता है, न कोई शर्त। यह केवल अनुभव है-शुद्ध, निर्मल और अनकहा।परंतु प्रेम का उत्कृष्ट रूप सहजता से नहीं मिलता। यह तभी विकसित होता है जब उसमें निस्वार्थ समर्पण, करुणा, दया और धर्म की जड़ें हों। जब प्रेम स्वार्थ, अहंकार और वासना से परे जाकर चरमोत्कर्ष तक पहुँचता है, तभी उसकी उत्कृष्टता प्रकट होती है। यदि प्रेम को शब्दों में बाँधने का प्रयास किया जाए तो प्रत्येक शब्द अधूरा ही प्रतीत होता है। प्रेम की परिभाषा कभी भी पूर्ण नहीं हो सकती, क्योंकि यह अनुभूति है, परिभाषा नहीं।

अब प्रश्न उठता है कि क्या प्रेम सदैव अधूरा ही रहेगा? इसका उत्तर है-नहीं। जब भी दो लोगों के बीच प्रेम जन्म लेता है, तो वह विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त भी होता है। कभी यह एक दृष्टि में छिपा होता है, कभी एक स्पर्श में, और कभी मौन में भी उसका प्रवाह झलकता है। दो लोग जब प्रेम में होते हैं, तो मानो दोनों मिलकर एक कविता लिखते हैं। हर एक व्यक्ति अपने हिस्से के शब्द जोड़ता है, और तीसरे अधूरे शब्द पर दोनों का समान अधिकार होता है। फिर भी, यह लेखन अपूर्ण रहता है। यही अपूर्णता उन्हें निरंतर खोज में लगाए रखती है। प्रेम की इसी खोज में उसकी पूर्ण अभिव्यक्ति छिपी होती है।

लेकिन यहाँ भी संपूर्णता संभव नहीं हो पाती। कारण यह है कि प्रेम अनंत है। कोई भी सीमित दायरा उसे पूरी तरह नहीं समेट सकता। मनुष्य की अन्य महत्वपूर्ण भावनाएँ-चिंता, करुणा, कर्तव्य-एक सीमा में बंध सकती हैं, परंतु प्रेम की प्रकृति असीम है। जब हम अनंत प्रेम की ओर बढ़ते हैं, तब हमें अपने भीतर और बाहर बने सारे बंधनों को तोड़ना पड़ता है। तभी निस्वार्थ प्रेम की प्राप्ति होती है। निस्वार्थ प्रेम का सबसे शुद्ध रूप हमें मां और बच्चे के संबंध में मिलता है। मां का प्रेम त्याग, करुणा और समर्पण से उपजा होता है, जिसमें पाने की कोई इच्छा नहीं होती। इसी प्रकार, जब कोई मनुष्य समाज और मानवता के कल्याण के लिए ऊर्जा और प्रेम का संचार करता है, तब भी वह प्रेम निस्वार्थ होता है। ऐसे प्रेम की निर्मलता गंगा के समान होती है। यह किसी उद्देश्य से प्रेरित नहीं होता, बल्कि स्वयं अपनी गहराई और प्रवाह में पवित्र रहता है।समाज में जब प्रेम का विस्तार होता है, तब वह रिश्तों की सीमाओं से बाहर निकलकर व्यापक हो जाता है। यह प्रेम केवल दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर इंसान, हर जीव-जंतु और पूरी प्रकृति तक फैल जाता है। जब मनुष्य अपने भीतर ऐसी भावना विकसित करता है कि उसका सुख केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक हो, तब प्रेम धर्म बन जाता है। यही वह भाव है जो परोपकार को जन्म देता है, जो करुणा और सेवा का आधार बनता है। यदि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के भीतर प्रेम का यह अंश जाग जाए, तो अन्याय, हिंसा और भेदभाव का स्थान शांति, सौहार्द और समानता ले सकती है।

यदि ऐसा प्रेम किसी प्रेमी के हृदय में अंकुरित हो जाए, तो वह प्रेम दिव्यता को छूकर साधना का रूप ले लेता है। तब प्रेम केवल दो व्यक्तियों के बीच नहीं रहता, बल्कि आत्मा और ब्रह्मांड के बीच सेतु बन जाता है। प्रेम का यह आयाम मनुष्य को ऊँचाई तक पहुँचाता है। त्याग यहाँ केवल खोना नहीं, बल्कि अपने भीतर की सीमाओं को पार करना होता है। त्याग में जो आनंद है, वह पाने में कभी नहीं हो सकता। यह आनंद प्रेम को साधना और साधना को मोक्ष की ओर ले जाता है।

अमृता प्रीतम और इमरोज़ का प्रेम इसी का अनुपम उदाहरण है। उनका प्रेम साथ रहने का नहीं, बल्कि आत्मा से जुड़ने का प्रसंग था। अमृता की संवेदनशीलता और इमरोज़ की निस्वार्थ सहजता ने उन्हें एकाकार कर दिया। यह संबंध किसी सामाजिक बंधन पर आधारित नहीं था, बल्कि एक रचनात्मक ऊर्जा का प्रवाह था, जो दोनों को और अधिक सृजन की ओर ले जाता था। उनका प्रेम यह सिद्ध करता है कि संबंधों को वस्तुओं या अधिकार से नहीं, बल्कि भावनाओं के सौंदर्य और आत्मीयता से जिया जाता है।

अमृता और इमरोज़ की प्रेम-कथा शाश्वत है, क्योंकि इसमें स्वार्थ का अंश नहीं था। वहाँ केवल देना था-एक-दूसरे के लिए, और जीवन के लिए। उनका उत्कृष्ट प्रेम यह सिखाता है कि संबंधों की मधुरता तब ही संभव है जब हम अपेक्षा छोड़कर केवल त्याग और समर्पण को अपना लें। यही प्रेम जीवन में सहिष्णुता, मधुरता और उदारता का संचार करता है।प्रेम का उत्कृष्ट स्वरूप तब ही प्रासंगिक होता है जब उसमें कोई सीमा न हो, कोई शर्त न हो, और केवल देने का भाव हो। यदि पाने की लालसा न हो और देने की प्रवृत्ति ही हृदय में बसे, तभी शाश्वत प्रेम परिभाषित होता है। ऐसा प्रेम सम्पूर्ण सृष्टि को अपने भीतर समाहित कर लेने की क्षमता रखता है।इसलिए कहा जा सकता है कि प्रेम की पूर्णता अधूरेपन से ही जन्म लेती है। जब हम उस अधूरेपन को स्वीकार कर लेते हैं और उसे जीवन का हिस्सा मान लेते हैं, तब वही अधूरापन एक गहरी पूर्णता में बदल जाता है। यही प्रेम की पराकाष्ठा है। यही उसकी साधना है। और शायद यही वह अनुभूति है जो मनुष्य को सांसारिकता से ऊपर उठाकर अनंतता की ओर ले जाती है।प्रेम की यात्रा शब्दों से नहीं, बल्कि मौन और त्याग से पूरी होती है। यह अधूरेपन में ही अपनी पूर्णता खोजता है और सीमाओं को तोड़कर अनंतता की ओर बढ़ता है। निस्वार्थ भाव से उपजा प्रेम गंगा की निर्मल धारा जैसा शुद्ध होता है, जो आत्मा को साधना में रूपांतरित कर देता है। यही प्रेम शाश्वत है और वही जीवन को मधुरता, सहिष्णुता और दिव्यता से आलोकित करता है।

आत्मघात जीवात्मा की प्रवृत्ति नहीं, सामाजिक अपराध

आत्महत्या रोकथाम दिवस

डॉ. एचएस राठौर

सेवानिवृत्त आचार्य विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मानव के मस्तिष्क में सोचने समझने विचार करने एवं समस्याओं के निदान की अद्भुत क्षमता होती है। इस अवस्था में मनुष्य में पशुओं वाली (पाशविक) प्रवृत्तियाँ न्यूनतम स्तर पर होती है एवं नियंत्रित भी होती है (भूख, प्यास, नींद, क्रोध, सहवास आदि)। सही मायनों में प्रवृत्तियों का नियंत्रित प्रवाह ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाता है। कुछ मनुष्यों में मस्तिष्क की अवस्था बाल्यकाल से, कुछ में विशेष वातावरण से एवं कुछ में अभ्यास से मनन में भी उच्चतर स्थित में पहुँच जाती है, जिसे प्रज्ञा कहते हैं। ऐसे व्यक्ति की गणना समझदार या ज्ञानियों में होती है। आमजनों में भी ऐसे व्यक्ति को सुलझे हुऐ व्यक्तित्व वाला समझा जाता है। हर युग में मनुष्यों के जीवन के पुराने परम्परागत तरीकों से हट कर कुछ नये अवसर आते हैं जिनके लिए युवाओं में एवं बच्चों में भी आकर्षण होता है। इससे प्रतिस्पर्धाएँ निरन्तर बढ़ती है एवं सफलता- असफताओं का सिलसिला प्रारम्भ हो जाता है। असफल युवा कुछ प्रयासों के बाद अपनी पसन्द बदलते हुऐ अन्य मुकाम पर पहुँच जाते है। इस स्थिति में भी अधिकांश लोग जो भी प्राप्त हो गया उससे संतुष्ट होकर विवाह करके जीवन यात्रा प्रारम्भ कर देते है। कुछ वर्तमान नौकरी के साथ कोई बेहतर विकल्प तलाशते है, उसकी तैयारी भी करते है एवं सफल भी होते हैं। कुछ युवा भारी मन से जो मिल गया उसे कुंठा के साथ निर्वाह करते हैं एवं मन में मलाल पाल लेते हैं कि उन्हें उनकी काबिलियत से कम प्राप्त हुआ है। कुछ तो अवसाद की अवस्था में पहुँचा जाते है।

पृथ्वी पर जीवन विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे, पशु-पक्षी एवं सूक्ष्म जीवों के रूपों में प्रकट होता है और एक समय पर इनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है जिसे मृत्यु कहते है। मनुष्य जीवों में सर्वश्रेष्ठ है एवं विकासवाद के क्रम में सर्वोच्च स्थान पर है। सबसे परिष्कृत मस्तिष्क एवं किसी भी ऋतु में सन्तान उत्पन्न करने की क्षमता सिर्फ मनुष्यों में ही विकसित हुई है। जीवों का जन्मजात (नैसर्गिक) व्यवहार उनकी प्रवृत्ति (इंसटिंक्ट) के अनुसार ही होता है। यह उनके मस्तिष्क एवं ग्राह्य अंगों से नियंत्रित होता है। विकासवाद के अनुसार जैसे-जैसे तंत्रिका तंत्र विकसित हुआ वैसे जीवों की प्रवृत्ति (व्यवहार) भी बदलती गई। प्राणियों में सीखने की प्रवृत्ति भी विकसित हुई एवं वानरों तक विकास होते होते एक प्रवृत्ति और विकसित हो गई जिसे लरनिंग-रिसनिंग नाम दिया गया जिसका अर्थ है सीखना-सोचना एवं सीख के अनुभव की याद के आधार पर नयी समस्या हल करने की क्षमता।

मानव के मस्तिष्क में सोचने समझने विचार करने एवं समस्याओं के निदान की अद्भुत क्षमता होती है। इस अवस्था में मनुष्य में पशुओं वाली (पाशविक) प्रवृत्तियाँ न्यूनतम स्तर पर होती है एवं नियंत्रित भी होती है (भूख, प्यास, नींद, क्रोध, सहवास आदि)। सही मायनों में प्रवृत्तियों का नियंत्रित प्रवाह ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाता है। कुछ मनुष्यों में मस्तिष्क की अवस्था बाल्यकाल से, कुछ में विशेष वातावरण से एवं कुछ में अभ्यास से मनन में भी उच्चतर स्थित में पहुँच जाती है, जिसे प्रज्ञा कहते हैं। ऐसे व्यक्ति की गणना समझदार या ज्ञानियों में होती है। आमजनों में भी ऐसे व्यक्ति को सुलझे हुऐ व्यक्तित्व वाला समझा जाता है। हर युग में मनुष्यों के जीवन के पुराने परम्परागत तरीकों से हट कर कुछ नये अवसर आते हैं जिनके लिए युवाओं में एवं बच्चों में भी आकर्षण होता है। इससे प्रतिस्पर्धाएँ निरन्तर बढ़ती है एवं सफलता- असफताओं का सिलसिला प्रारम्भ हो जाता है। असफल युवा कुछ प्रयासों के बाद अपनी पसन्द बदलते हुऐ अन्य मुकाम पर पहुँच जाते है। इस स्थिति में भी अधिकांश लोग जो भी प्राप्त हो गया उससे संतुष्ट होकर विवाह करके जीवन यात्रा प्रारम्भ कर देते है। कुछ वर्तमान

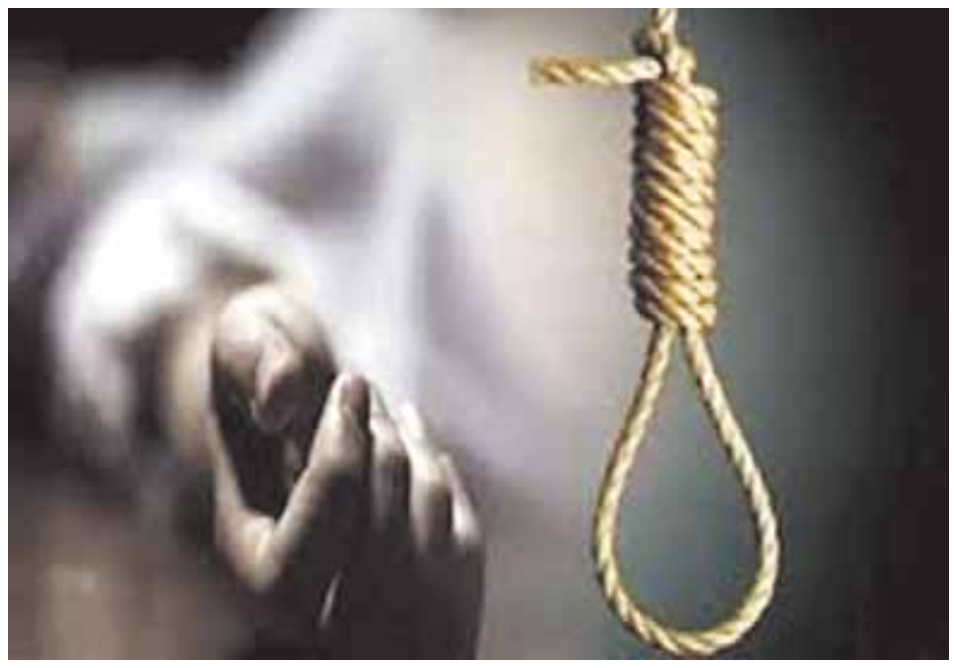

असंतोष - असफलता का नतीजा आत्महत्या जैसे सामाजिक अपराध में होता है। पिछले कुछ वर्षों में आत्महत्या के मामलों के आँकड़े बढ़े है जो गंभीर चिन्ता का विषय है। सभी आयु, लिंग, धर्म एवं व्यवसाय के लोगों में आत्महत्या करने के मामले जानकारी में आते रहते है। इस मुद्दे पर कुछ कहने-सुनने-लिखने पढ़ने से पहले कुछ तथ्यों पर गौर करना आवश्यक होगा। विकासवाद के सिद्धान्तों के अनुसार प्राणी मात्र में हर हाल (परस्थिति) में जिन्दा रहने की तमन्ना के साथ बेहतर जीवन जीने की एवं अधिकतम सन्तान उत्पन्न की नैसर्गिक प्रवृत्ति होती ही है। ऐसा नहीं होने की दशा में जीवों का विकास सम्भव ही नहीं था अतः जीव सदैव जिन्दा रहना चाहता है, चाहता रहेगा, जब तक शरीर कई पक्षियों के नर-मादा के जोड़े में से किसी एक की मृत्यु के बाद साथी धीरे-धीरे भोजन-पानी छोड़ देता है जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है। कुछ कुत्ते एवं घोड़े घर के हर सदस्य द्वारा दिया गया भोजन ग्रहण नहीं करते हैं एवं जिस सदस्य ने कुत्ते या घोड़े को प्रारम्भ से ही लालन-पालन किया हो उसकी मृत्यु के पश्चात् भोजन-पानी ग्रहण नहीं करते एवं मृत्यु को प्राप्त होते है। वास्तव में पशु-पक्षी किसी व्यक्ति या माहौल के आदी हो जाते हैं एवं उससे वंचित होने पर, आदत से लाचार होने पर मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। अतः इस तरह के प्रकरणों को आत्महत्या से जोड़ना सर्वथा गलत होगा। कुछ कुत्तों एवं बत्तखों द्वारा स्वयं को जल में डुबाकर मारने की घटनाओं का भी जिक्र मिलता है, परन्तु सच्चाई विवादित ही रही। अफ्रीका में पाये जाने वाले काले मुँह के बन्दरों के समूह के कुछ बन्दर (वरवेट मंकी) किसी हिंसक पशु के आने पर जोरो से शोर मचाकर आक्रमणकारी को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं ताकि शेष साथी भाग सके। प्रायः शोर मचाने वाले बन्दर आक्रमणकारियों द्वारा मार दिये जाते हैं परन्तु ऐसी घटनाओं को आत्महत्या का प्रयास तो नहीं माना जा सकता है। एक डाल्फिन द्वारा अपने आपको दमघोंट कर मरने का आरोप एक टेलीविजन शो के मार्फत साठ के दशक में प्रदर्शित फिल्म 'द कोव' में बताया गया था जिसकी पुष्टि वैज्ञानिकों द्वारा कभी नहीं की गई। अरस्तू ने एक घोड़े द्वारा आत्महत्या करने का जिक्र उनकी पुस्तक 'हिस्ट्री आफ ऐनीमल्स' में मिलता है हालांकि इसकी पुष्ठि नहीं की गई।

जीवों का विशेष व्यवहार ' एलट्रूइजम' (परोपकारिता या परहितवाद) जिसका सम्बन्ध विकासवाद से भी जोड़ा गया है इसका उदाहरण देखते है। एक मादा मकड़ी स्टीगोडायफस का स्वयं के नवजात शिशुओं द्वारा भक्षण एवं एक मकड़ी के नर का उसी की माद द्वारा निशेचण पश्चात् खाया जाना। ये उदाहरण एलट्रूइजम की पराकाष्ठा है, इसके बावजूद इसे आत्महत्या तो नहीं कहा जा सकता।

शोधकर्ताओं ने मनुष्य में सेल्फ डिस्ट्रक्शन बिहेवियर (स्वयं को कष्ट या हानि पहुँचाने का प्रयास) जैसे मुद्दे को असामान्य श्रेणी का व्यवहार माना एवं आत्महत्या को भी इसमें शामिल कर लिया। आनुवांशिकी आधारों (जेनेटिक बेसिस) को जानने हेतु केंडीडेट जीन (जिम्मेदार डी.एन.ए. के हिस्से) को पहचानने की दिशा में भी गहन शोध कार्य किये गये। सिरेटोनिन को व्यक्ति का मिजाज नियंत्रक (मूड रेगुलेटर) रसायन मानकर इसके निर्माण में गड़बड़ी का कारण मानव जीन टी.पी.एच. वन में माइक्रोडिलीशन एवं सिरेटोनिन रिसेप्टर की गड़बड़ी आत्मघाती व्यवहार की जिम्मेदार ठहराई गई। महिलाओं में पुरूषों से दुगुने आत्महत्याओं का सम्बन्ध एम्स क्रोमोसोम में जुड़े जीन (एचटीआरटूसी) से भी जोड़ा गया। सम्भव है कि भविष्य में प्रसव पूर्व आनुवांशिकी विकृतियों के निदान हेतु गर्भस्थ भ्रूण के जीनोम (प्रत्येक कोशिका के केन्द्र स्थित डीएनए) के अध्ययन (प्रिनेटल डायग्नोसिस) से ऐसी आनुवांशिकी गड़बड़ियों का पता लगने से आनुवांशिकी सलाह केन्द्र की सिफारिश उपरान्त विधि सम्मत चिकित्सीय आनुवांशिक विज्ञामी की निगरानी में गर्भपात किया जा सकेगा। भविष्य में ऐसी जागरूकता एवं सुविधाएँ होने से ही शब्द कोषों से 'आत्महत्या' जैसा घृणित शब्द एवं समाज से आत्महत्या जैसा सामाजिक अपराध लुप्त हो सकेगा। वास्तव में आत्महत्या किसी भी सामान्य जीव की नैसर्गिक प्रवृत्ति है ही नहीं। यदि ऐसा होता तो सभी जीवों में यह प्रवृत्ति समान रूप से देखने को मिलती।

बैतूल एसपी झारिया का तबादला, वीरेंद्र जैन को मिली कमान

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन ने सोमवार देर रात पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया है। इस फेरबदल में 30 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। बैतूल के एसपी निश्चल एन. झारिया का तबादला मुरैना बटालियन में किया गया है। उनकी जगह श्योपुर से 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी वीरेंद्र जैन को बैतूल का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वीरेंद्र जैन इससे पहले छिंदवाड़ा में 8वीं बटालियन विशेष सशस्त्र बल में रहे हैं। साथ ही रीवा में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ और मऊगंज के एसपी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें बैतूल की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रेम प्रसंग में होटल संचालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बैतूल। एक होटल संचालक ने बेडरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अमित परवलकर (28) के रूप में हुई। घटना रविवार देर रात गंज थाना क्षेत्र में हुई। परिजनों को रात साढ़े दस बजे इसकी जानकारी मिली। अमित होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर चुका था। वह गंज क्षेत्र में आई का भोजनालय नाम से होटल चलाता था। गंज टीआई नीरज पाल के मुताबिक शुरूआती जांच में सुसाइड करने की वजह प्रेम प्रसंग है। परिजनों ने जब उसे फांसी पर लटका देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। गंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से एक दिन पहले उसने गुस्से में घर की खिड़की का कांच तोड़ दिया था। इस दौरान उसके हाथ में चोट भी लगी थी। आत्महत्या से पहले उसने फेसबुक पर लिखा था - अब अमित को दुआओं में सब याद रखना।

205 लोगों ने कराई आंखों की जांच, 49 मरीज ऑपरेशन के लिए बैरागढ़ रवाना

बैतूल/भौंरा। लायंस क्लब भौंरा द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें बैरागढ़ स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की विशेषज्ञ टीम ने मरीजों की आंखों

की जांच की। टीम में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ.अरुण शुक्ला सहित पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद था। शिविर के शुरू होते ही दर्जनों लोग कतार में खड़े हो गए। 70 वर्षीय गोमती बाई ने कहा सालों से धुंधला दिख रहा था, अब डॉक्टर बोले कि ऑपरेशन होगा तो साफ दिखाई देगा। मेरे लिए तो यह शिविर भगवान से कम नहीं। वहीं 65 वर्षीय किसान रामलाल ने बताया कि खेत में काम करते वक्त आंखों की समस्या के कारण कई बार चोट लग चुकी थी। उन्हें उम्मीद है कि ऑपरेशन के बाद वे फिर से खुली आंखों से खेत देख पाएंगे। इस शिविर में 205 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इनमें से 49 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए, जिन्हें तुरंत ऑपरेशन के लिए चिन्हित कर बैरागढ़ भेजा गया। लायंस क्लब की ओर से इन मरीजों को बस से रवाना किया गया। वहीं बाकी मरीजों को मौके पर ही ड्रॉप एवं दवाइयां दी गए। शिविर में सरपंच मीरा धुर्वे, डीपी मिश्रा, ओमप्रकाश कावडक़र, स्मिता उईके, उपाध्यक्ष पराग राठौर, राजेंद्र सिरोठिया, अशोक अग्रवाल, दिनेश गोयल, रूपनारायण मालवीय, दीनदयाल पाटनकर, राकेश साहू, बीआर घोडकी,कमल सिंह मासकोले, प्रेम उदयपुरे, प्रीतपाल जुनेजा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बैतूल स्टेशन पर कोयला लदी मालगाड़ी के वैगन में आग

तूल। नागपुर की ओर से कोयला लेकर आ रही एक मालगाड़ी के वैगन में मंगलवार को अचानक आग लग गई। बैतूल रेलवे स्टेशन के करीब जैसे ही यह रैक पहुंची,

मालगाड़ी के गार्ड ने देखा कि एक वैगन से धुआं उठ रहा है। इसकी सूचना तुरंत रेलवे स्टेशन को दी गई। स्टेशन प्रबंधक ने स्थिति को गंभीर देखते हुए नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को बुलाया। मालगाड़ी को तीसरे नंबर प्लेटफॉर्म पर खड़ा कराया गया और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। कोयला का यह रैक नागपुर के कोराडी से पावर हाउस खंडवा जा रहा था। रेलवे सूत्रों के अनुसार, आग कोयले के लोडिंग प्वॉइंट से ही लगी थी। जहां से कोयला भरा जाता है, वहीं जला हुआ कोयला भी वैगनों में डाला जा रहा है। इसी कारण आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं।

सभी प्रकार की दुकानों पर लागू होगी व्यवस्था

नपा क्षेत्र के दुकानदारों को बनाने होगे ट्रेड लाईसेंस

बैतूल। शहर के अंदर व्यापार करने वाले व्यवसायियों को अब ट्रेड लाइसेंस लेना होगा। नगरपालिका ने सख्ती के साथ पूरे शहर में यह व्यवस्था लागू की है। जिसके तहत ऐसी दुकान जो फुटपाथ पर हो या मेन मार्केट में हो, ठेला हो या गली-मोहल्ले की छोटी दुकान, शहर में कारोबार करने के लिए हर व्यापारी को ट्रेड लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। नगरपालिका ने इस संबंध में सूचना जारी कर मुनादी भी कराई है। दरअसल ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल के लागू होने के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रावधान के तहत वर्ष 2023 में ही नगरपालिका ने ट्रेड लाइसेंस प्रस्ताव पारित कर दिया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया था। अब सख्ती के साथ पूरे शहर में यह व्यवस्था लागू की जा रही है। नगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि 76 प्रकार की दुकानों को लाइसेंस लेना जरूरी होगा। सीएमओ के मुताबिक शहर में सर्वे कराया जाएगा और सूची तय होगी कि किस-किस तरह के कारोबार व दुकानदारों की क्या संख्या है। अभी सूचना जारी की गई है और मुनादी कराई जा रही है और यदि कोई लाइसेंस नहीं लेगा तो संबंधित पर नियम अनुसार कार्रवाई होगी।

एक साल के लिए मान्य होगा लाइसेंस

यह लाइसेंस केवल एक वर्ष के लिए मान्य होगा और हर साल नवीनीकरण करना होगा। दो साल बाद लाइसेंस की फीस में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। बताया गया कि पहले शहर में दुकानदारी करने के गुमाश्ता लाइसेंस बनवाना पड़ता था। ट्रेड लाइसेंस के लिए कारोबार को फुटकर, थोक, निर्माता व मिश्रित सहित पांच श्रेणियों में बांटा गया है। इसके लिए इन श्रेणियों में भी अलग-अलग दुकानदारी की अलग-अलग शुल्क लाइसेंस के लिए तय हैं। ट्रेड लाइसेंस बनवाने के लिए दुकानदारों को कई दस्तावेज भी प्रस्तुत करना होंगे, लाइसेंस शुल्क से नपा की आय बढ़ेगी।

100 रुपए से 10 हजार तक वार्षिक फीस

लाइसेंस शुल्क दुकानों के साइज के आधार 100 रुपए से लेकर 10 हजार रुपए प्रति वर्ष तक होगा। अब तक करीब 200 दुकानदार ट्रेड लाइसेंस ले चुके हैं, जबकि शहर की लगभग 5 हजार दुकानों में अधिकांश ने अभी लाइसेंस नहीं लिया है।

नगरपालिका को इससे सालाना 50 लाख रुपए तक की आय होने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि कई दुकानदार शहर में व्यापार तो कर रहे है, लेकिन उन्होंने अभी तक ट्रेड लाईसेंस नहीं बनाया है। लेकिन अब सभी दुकानदारों को ट्रेड लाईसेंस बनाना अनिवार्य कर दिया है। यदि दुकानदार लाइसेंस नहीं लेगा तो संबंधित पर नियम अनुसार कार्रवाई होगी।

वित्तीय स्थिति सुधारने की कवायद

वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए नगरपालिका ने राजस्व वसूली पर जोर देना शुरू कर दिया है। इसके लिए सभी 16 सहायक राजस्व निरीक्षकों के वार्डों में फेरबदल किया गया है और वसूली सख्ती से की जा रही है। नगरपालिका सीएमओ सतीश मटसेनिया ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि हर निरीक्षक प्रतिदिन कम से कम 25 हजार रुपए की वसूली करें, तभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान संभव होगा। कम वसूली करने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। बैठक में कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक दुकानदारों के ट्रेड लाइसेंस बनवाए जाएं ताकि नपा की आय में वृद्धि हो।

इनका कहना है -

ट्रेड लाइसेंस लेना सभी के लिए अनिवार्य हैं। भले ही आप गली-मोहल्ले में छोटी दुकान ही क्यों न संचालित कर रहे हो। हमने सभी सहायक राजस्व निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे ट्रेड लाइसेंस को लेकर ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें और सभी के ट्रेड लाइसेंस बनवाए।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

अनुग्रह सहायता राशि का प्रकरण लंबित रखने पर तहसील कार्यालय के बाबू पर कार्यवाही, 5 दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम गेहूं बारसा निवासी जगदीश सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि दिलाए जाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि अगस्त माह में बारिश के चलते उनका मकान गिर गया है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक की व्यथा सुन कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने गंभीरता पूर्वक प्रकरण की जांच की। जिसमें मुलताई तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू की लापरवाही से अनुग्रह सहायता राशि नहीं मिलना पाया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने लापरवाह बाबू के पांच दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश मुलताई तहसीलदार को देते हुए शीघ्र सहायता राशि दिलाए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान 135 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम सावंगी निवासी रसना सूर्यवंशी ने आवेदन के माध्यम से बताया कि बैतूल इटारसी रोड स्थित निजी स्कूल में उन्होंने शिक्षिका के रूप में जॉइनिंग ली थी, जिसके लिए उन्होंने डिपॉजिट भी जमा किया था। सितंबर से अप्रैल माह की अवधि तक

का मानदेय सहित डिपॉजिट की राशि 22 हजार 333 रुपए स्कूल संचालक द्वारा अब तक नहीं दिए गए हैं। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने श्रम विभाग के अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शाहपुर तहसील के ग्राम भौंरा निवासी दीपक महोबिया ने आवेदन के माध्यम से भाइयों द्वारा स्वयं की जमीन पर प्रधानमंत्री आवास नहीं बनाने दिए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने शाहपुर तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

अवैध अतिक्रमण को हटाने के दिए निर्देश

मुलताई तहसील के ग्राम सोनोरा निवासी कृष्ण राव देशमुख सहित अन्य ने ग्राम में हुए अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई तहसीलदार को ग्राम सोनोरा में हुए अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम बरई निवासी भारत बोबडे ने अवैध कब्जा हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल के बडोरा निवासी ऋषिराम सरले ने नामांतरण किए जाने की मांग की।

प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैतूल तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

हृदय रोग शिविर 10 सितंबर को

बैतूल। आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत डीईआईसी जिला चिकित्सालय परिसर बैतूल में हृदय रोग शिविर का आयोजन 10 सितम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। जिसमें जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के संभावित हृदय रोग के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। बच्चों का उम्र के अनुसार वजन नहीं बढना, बच्चे के नाखून एवं होंठ में नीलापन आना, खेलते समय या कार्य करते समय थकान महसूस करना, सीने में दर्द महसूस करना, सांसे का तेजी से चलना आदि लक्षण पाये जाते हैं संभावित हृदय रोगी हो सकते हैं, इनका समय पर परीक्षण किया जाना आवश्यक है। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा परीक्षण किया जाएगा।

बैतूल जिले में 4.97 करोड़ की अनुग्रह सहायता वितरित

बैतूल। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेशभर में अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर बैतूल जिले के 218 प्रकरणों में कुल 4.97 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। जिले के प्रकरणों में से 180 सामान्य मृत्यु, 33 दुर्घटना मृत्यु तथा 5 आंशिक स्थाई अपंगता से संबंधित हैं।

बच्चों को कीचड़ और फिसलन से होकर जाना पड़ रहा स्कूल, ग्रामीणों ने जनसुनवाई में बताई पीड़ा

दूषित पानी और टूटी पगडंडियों पर निर्भर नीमढाना गांव

बैतूल। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत दामजीपुरा के अंतर्गत मुकाम नीमढाना के ग्रामीणों ने सड़क और नल-जल योजना से जुड़ी गंभीर समस्याओं को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से वे मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नीमढाना में कुल 34 घर और लगभग 172 की आबादी निवास करती है। इनमें से 20 बच्चे प्राथमिक विद्यालय, 15 बच्चे माध्यमिक व हाई स्कूल और 25 बच्चे आंगनवाड़ी में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन सभी बच्चों को प्रतिदिन पढ़ाई के लिए एक किलोमीटर दूर स्थित ग्राम दामजीपुरा जाना पड़ता है। लेकिन नीमढाना से दामजीपुरा तक अब तक पक्की सडक़ का निर्माण नहीं हुआ है। बच्चे खेतों की मेड़ से होकर गुजरते हैं, जो विशेषकर बरसात के दिनों में कीचड़ और फिसलन से बेहद खतरनाक हो जाता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गांव के भीतर अब तक सीसी रोड का निर्माण नहीं हुआ है। इसके कारण गांव में आवागमन अत्यंत कठिनाईपूर्ण है। वहीं, नल-जल योजना का कार्य भी आज तक नीमढाना में शुरू नहीं किया गया है। पीने के लिए ग्रामीण दूषित जल का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ लगातार बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से निवेदन किया है कि नीमढाना ग्राम पंचायत दामजीपुरा की इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि गांव के बच्चों और ग्रामीणों को सडक़ और शुद्ध पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

पूरी कार्यकुशलता से पदाधिकारी निभाएं जिम्मेदारी -पंकज जोशी

17 सितंबर से 2 अक्टुबर तक चलने वाले सेवा पखवाडा को लेकर जिला कार्यशाला संपन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टुबर तक चलने वाले सेवा पखवाडा एवं 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलने वाले आत्म निर्भर भारत कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को एक

दिवसीय जिला कार्यशाला का आयोजन जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेशउपाध्यक्ष एवं संभाग संगठन प्रभारी पंकज जोशी, जिलाध्यक्ष सुधाकर पवांर, विधायक डा.योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार ने पार्टी के पितृपुरूष पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी और भारत माता के छायाचित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग संगठन प्रभारी पंकज जोशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामान्य परिवार से निकलकर संगठन मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में बगैर भ्रष्टाचार के आरोप के साथ राष्ट्र के पुनरूत्थान के साथ किए जा रहे कार्य लोगो के लिए प्रेरणा बन सके इसीलिए हम सेवा पखवाडा के रूप में हमारे प्रधान सेवक का जन्म दिवस मनाएगें जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम होने है। हर पदाधिकारी अपनी पूरी कार्यकुशलता के साथ जब जिम्मेदारी निभाता है तो सफलता के नए आयाम स्थापित होते है। हर कार्यक्रम में नए लोग जुडे इसके लिए प्रयास सभी को करना है। 25 सितंबर को हर बूथ पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती के कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न हो और मुख्यालय पर बडा आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने कहा कि भाजपा एक परिवार की तरह कार्य करने वाला राजनैतिक दल है जिस तरह हम त्यौहारो को लेकर पूर्व से तैयारियां करते है। उसी तरह नवरात्री पर्व के दौरान ही हमें सेवा पखवाडा और आत्म निर्भर भारत के पर्व की तैयारियां भी करनी चाहिए।

खरीफ की प्रमुख फसलों में कीट, व्याधियों के संक्रमण और उनके प्रबंधन के उपाय

बैतूल। कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार के पौध संरक्षण वैज्ञानिक ने खरीफ फसलों का अवलोकन कर इस अवस्था में खरीफ की प्रमुख फसलों में कीट एवं व्याधियों के संक्रमण एवं उनके प्रबंधन की जानकारी दी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि सोयाबीन फसल में हरि अर्धकुण्डलक इल्ली, तम्बाकू की इल्ली, तना मक्खी आदि का प्रकोप अब प्राकृतिक रूप से कम होते हुए खत्म होगा। ये कीट अब चिंता का विषय नहीं है। फफूंद जन्य पर्णचित्ती रोग, जड़ सडऩ, तना सडऩ आदि आरंभिक अवस्था में है। इन सभी रोगों का प्रकोप आगामी समय में तीव्र होंगे एवं फसल को व्यापक क्षति पहुंचाएंगे।

ठानी पंचायत में विकास के नाम पर लाखों का घोटाला, बिना काम निकाले 20 लाख

अधूरे काम और फर्जी भुगतान से ग्रामीणों में आक्रोश

बैतूल/आमला । जनपद की ग्राम पंचायत ठानी में भ्रष्टाचार का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और उपयंत्री की मिलीभगत से सरकारी राशि का गबन कर लिया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत में जिन कार्यों को कागजों में पूरा दिखाया गया है, वे धरातल पर आज तक शुरू भी नहीं हुए। ग्राम बुचनवाड़ी में नाली निर्माण के लिए 6 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 3 लाख 88 हजार रुपये फरवरी 2025 में निकाल लिए गए। लेकिन 9 सितंबर 2025 तक नाली का काम शुरू नहीं हुआ। इसी तरह सोखता गड्ढे

के लिए 77 हजार रुपये आहरित किए गए, लेकिन गांव में एक भी गड्ढा नहीं खोदा गया।

आंगनवाड़ी भवन सुधार कार्य के नाम पर 1 लाख 39 हजार रुपये खर्च दिखाए गए, लेकिन इसमें घटिया सामग्री का उपयोग कर कम लागत में काम कराया गया और ज्यादा राशि निकाल ली गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह कई काम केवल कागजों पर ही पूरे दिखाए गए हैं, जबकि गांव में स्थिति जस की तस है।

मधुमक्खी चिकित्सा शिविर आज

2000 वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति से होगा उपचार

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध डॉक्टर श्रीराम कुलकर्णी मधुमक्खी के डंक से करेंगे चमत्कारी इलाज

बैतूल। राधा कृष्ण धर्मशाला गंज में आज 10 सितंबर को भारतीय चिकित्सा पद्धति पर आधारित मधुमक्खी चिकित्सा शिविर (हनी बी थेरेपी) स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हनी बी व्हेनम थेरपी यानी मधुमक्खी के डंक से उपचार किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10ः30 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। इस विशेष चिकित्सा शिविर में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध हनी थेरेपी विशेषज्ञ डॉक्टर श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी रोगियों को परामर्श व उपचार देंगे। डॉक्टर श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी पिछले 19 वर्षों से हनी थेरेपी के क्षेत्र में सक्रिय हैं और अब तक लाखों रोगियों को इस उपचार पद्धति से लाभ पहुंचा चुके हैं। उन्हें बीपी, शुगर, थायरॉइड से मुक्ती दाता के रूप में जाना जाता है। मिली जानकारी के अनुसार मधुमक्खी चिकित्सा भारत की लगभग 2000 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति है, जिसमें मधुमक्खी के डंक से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर अनेक गंभीर रोगों का इलाज किया जाता है। यह चिकित्सा पद्धति आधुनिक वैज्ञानिक शोधों द्वारा भी प्रमाणित की जा चुकी है और इसे कई देशों में वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस चिकित्सा शिविर में कैंसर, थायरॉइड, मधुमेह, थैलेसीमिया, उच्च रक्तचाप, अर्धांगवायु, गठिया, एड्स,

वेरिकोज वेन, सायटिका, आमवात, घुटनों व हड्डियों के रोग, स्पॉन्डिलोसिस, गर्दन व पीठ का दर्द, झटके, नसों में ब्लॉकेज, रक्तस्राव, मूत्र विकार, पथरी, डायलिसिस, अस्थमा, खांसी, हृदय रोग, सांस फूलना, पित्त-कफ, बवासीर, कब्ज, पीलिया, नागिन, गजकर्ण, मानसिक रोग, याददाश्त की समस्या, अनिद्रा, दृष्टिदोष, त्वचारोग, सफेद दाग, सोरायसिस, माइग्रेन, सुन्नपन सहित अनेक गंभीर बीमारियों का इलाज किया जाएगा। विशेष रूप से यह शिविर मधुमेह रोगियों के लिए अत्यंत लाभकारी है। डॉक्टर श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी के अनुसार समय रहते मधुमेह की पहचान और हनी बी थेरेपी द्वारा उपचार से रोगी पूरी तरह से दवाइयों और इंसुलिन से मुक्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त यह थेरेपी वजन बढ़ाने, मोटापा घटाने और संतान प्राप्ति जैसे विशेष विषयों पर भी पूर्ण प्राकृतिक समाधान देती है। इस स्वास्थ्य शिविर में नाममात्र शुल्क पर परामर्श व चिकित्सा की सुविधा रहेगी, जिससे आमजन को लाभ मिल सके। इच्छुक नागरिक इस विशेष शिविर में भाग लेकर प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर आयोजित

बैतूल। जिला चिकित्सालय बैतूल में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित शिविर में स्त्री रोग

चिकित्सक डॉ समीक्षा बानखेडे द्वारा 109 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई। जिसमें 36 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 86 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ ईशा डेनियल द्वारा 65 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 42 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया। सिविल अस्पताल आमला में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ मानसी नामदेव द्वारा 78 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 58 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग चिकित्सक सिद्धी अग्रवाल द्वारा 67 गर्भवती महिलाओं की जांच की, जिसमें 47 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र भैंसदेही में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ स्वाती बरख द्वारा 74 गर्भवती महिलाओं की जांच की, जिसमें 32 हाई रिस्क महिलाऐं पाई गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र भीमपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ तरूणा काकोडि़या द्वारा 62 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 18 हाई रिस्क महिलाऐं पाई गई। सामुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र आठनेर में चिकित्सा अधिकारी डॉ ज्योति इवने द्वारा 106 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 45 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

सीहोर जिले का खारी गांव बना होम स्टे पर्यटन का नया आकर्षण

देश-विदेश के पर्यटकों को भा रहा है सीहोर जिले के खारी गांव का होम स्टे

सीहोर (निप्र)। भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। अब हमारा यही प्रदेश एक नए प्रयोग से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है, जिसका नाम है होम स्टे पर्यटन। होम स्टे पर्यटन का अर्थ है कि पर्यटक किसी होटल के बजाय स्थानीय लोगों के घर में ठहरते हैं। इससे उन्हें न केवल घर जैसा वातावरण मिलता है, बल्कि वे स्थानीय संस्कृति, भोजन, लोककला और परंपराओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित भी हो पाते हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन ने होम स्टे योजना की शुरुआत कर स्थानीय युवाओं और परिवारों को इस क्षेत्र से जोड़ने का प्रयास किया है। इसके तहत सीहोर जिले के खारी गांव सहित भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खजुराहो, ओरछा, मांडू, पचमढ़ी, पन्ना, कान्हा और बांधवगढ़ जैसे पर्यटन स्थलों के आस-पास तेजी से होम स्टे विकसित हो रहे हैं। सीहोर जिले का खारी गांव आज ग्रामीण होम स्टे पर्यटन का एक उदाहरण बन चुका है। यहाँ लोग अपने घरों को पर्यटकों के लिए खोल रहे हैं।

पर्यटक यहाँ ठहरकर ग्रामीण जीवन, खेत-खलिहान, पारंपरिक खानपान और लोक संस्कृति का आनंद ले रहे हैं। कई पर्यटकों ने बताया कि खारी गांव की सादगी, आत्मीयता और प्राकृतिक सौंदर्य उन्हें बेहद भाया। यही सौंदर्य अब विदेशी पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। गाँव की महिलाएँ अपने पारंपरिक व्यंजन जैसे दाल-बाटी, मिठाई, चाय और पारंपरिक व्यंजन परोसकर पर्यटकों का स्वागत करती हैं। गांव के युवा गाइड बनकर गाँव की कहानी, खेती-किसानी की जानकारी और लोकगीतों का अनुभव कराते हैं। हाल ही में कुछ समय पहले इंडियन फॉरेन सर्विस के ट्रेनी अधिकारियों, पंचायती राज मंत्रालय के अधिकारियों और जीआईएस में आए मेहमानों ने ग्राम खारी होम स्टे का भ्रमण किया और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। होमस्टे पर्यटन से खारी गांव में स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिला रहा है और यहां के परिवारों को आय का स्रोत मिला गया है।

मध्य प्रदेश में होम स्टे पर्यटन एक सफलता की कहानी बन चुका है

होम स्टे पर्यटन स्थानीय स्तर पर रोजगार तो उपलब्ध करा ही रहा है, बल्कि यह हमारी और हमारे प्रदेश की सांस्कृति का संरक्षण और प्रचार भी कर रहा है। हमारी लोककला, संगीत, नृत्य और पारंपरिक खानपान को नई पहचान मिल रही है। यह मॉडल बड़े होटलों के मुकाबले पर्यावरण के अनुकूल है और महिलाएँ एवं युवा आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। आज मध्य प्रदेश में होम स्टे पर्यटन एक सफलता की कहानी बन चुका है। यह न केवल पर्यटन उद्योग को नई दिशा दे रहा है, बल्कि गाँव-गाँव में आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही हमारी प्राचीन गौरवशाली सांस्कृति को देश-दुनियां के सामने प्रस्तुत भी कर रहा है। विशेष रूप से सीहोर का खारी गांव इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा और अवसर मिले तो छोटा सा गाँव भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकता है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 18 जून 2025 को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में खारी होम स्टे को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया है।

बैतूल में 12 सितंबर को रोजगार मेला: 12 कंपनियां करेंगी 700 से ज्यादा पदों पर भर्ती

8वीं पास से लेकर स्नातक कर सकते हैं आवेदन

बैतूल(निप्र)। बैतूल जिले के चिचोली में 12 सितंबर को जिला स्तरीय रोजगार मेला लगेगा। यह मेला नगर पालिका ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इसमें 12 प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी और 700 से ज्यादा पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में वर्धमान फैब्रिक्स बुदनी 150 मशीन ऑपरेटर, कुलोदय टेक्नोपैक दमन 100 मशीन ऑपरेटर और यशस्वी ग्रुप भोपाल 50 अप्रेंटिस की नियुक्ति करेगा। इन पदों के लिए 8वीं, 10वीं, 12वीं या आईटीआई पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।

सेल्स और मैनेजर के पद भी शामिल

जेके बायो एग्रीटेक भोपाल में 20 सेल्स एग्जीक्यूटिव और पुखराज हेल्थ केयर में 100 मैनेजर की भर्ती होगी। वहीं, अकाजा फैशन हब बैतूल 20 सेल्स एग्जीक्यूटिव नियुक्त करेगा। इन पदों के लिए 10वीं, 12वीं या स्नातक योग्यता अनिवार्य है।

टेक्निकल और मोटर मैकेनिक की भर्ती

सीआईआई कौशल केंद्र छिंदवाड़ा 25 मोटर मैकेनिक, डीएंडके करियर सेंटर 50 मशीन ऑपरेटर और शक्ति मोटर्स मुलताई 25 विभिन्न पदों पर भर्ती करेगा। इसके अलावा मेधावी एस्पायर पुणे 100 पदों और टीवीएस ट्रेनिंग 50 मशीन ऑपरेटर पदों के लिए चयन करेगा। जेड प्लस अकादमी में 4 मार्केटिंग और काउंसलिंग पद भी शामिल हैं। जिला रोजगार कार्यालय ने बताया कि यह मेला युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। इच्छुक उम्मीदवार अपनी शैक्षणिक योग्यता और दस्तावेजों के साथ मौके पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्गों की मदद हेतु सदैव आगे रहेंगे : डॉ. रामहित कुमार

विदिशा (निप्र)। बुजुर्गों की सेवा हेतु जिला स्वास्थ्य विभाग सदैव तत्पर है। यह बात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने श्री हरि वृद्ध आश्रम में आज लायन्स क्लब आनंदपुर सदुरु द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कही। उन्होंने वृद्ध आश्रम की सेवा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के युग में बुजुर्गों की इतनी बेहतर सेवा समाज के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर लायन्स क्लब अध्यक्ष डॉ. डी.के. शर्मा ने कहा कि लायन्स क्लब की सेवा गतिविधियों से समाज में पीड़ित मानवता की सेवा हेतु चेतना जागृत हुई है। क्लब सदैव सेवा कार्यों के लिए संकल्पित है।कार्यक्रम में क्लब के पूर्व जिला गवर्नर व वरिष्ठ समाजसेवी लायन अतुल रतनशी शाह, लायन के.एन. शर्मा (एमजेएफ), लायन सी.एल. गोयल, लायन हिमांगी कोठारी, लायन अशोक कोठारी, लायन श्याम बिहारी भार्गव, लायन रामबाबू गर्ग, लायन प्रकाश गोयल, लायन रामस्वरूप शर्मा, लायन रामकृष्ण रघुवंशी तथा चिकित्सा सहयोगी बलराम दुबे और बहादुर सिंह उपस्थित रहे।इस अवसर पर क्लब द्वारा हंगर एक्टिविटी के अंतर्गत वृद्धजनों की भोजन सेवा की गई तथा आश्रम परिसर में मीठी नीम के दो पौधे भी रोपे गए। कार्यक्रम में वृद्ध आश्रम की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा शर्मा एवं संचालक वेद प्रकाश शर्मा ने लायन्स क्लब आनंदपुर सदुरु की सेवा गतिविधियों हेतु आभार व्यक्त किया और कहा कि लायन्स क्लब पीड़ित मानवता की सेवा में उल्लेखनीय कार्यों का संपादन किया जा रहा है।

करणी सेना परिवार ने बनाई हरदा आंदोलन पर रणनीति

बैतूल(निप्र)। सूखाखेड़ी, ससाबड़ और भड़ूस में करणी सेना परिवार की बैठक रविवार को हुई। बैठक में हरदा आंदोलन को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उपस्थित करणी सेना परिवार के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि हर गांव में करणी सेना परिवार की टीम गठित की जाएगी ताकि संगठनात्मक मजबूती के साथ आंदोलन को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा सके। इस दौरान बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

सुभाष स्कूल के सामने नहीं डाली मुरम, बच्चे परेशान

बैतूल(निप्र)। शहर के सुभाष हायर सेकंडरी स्कूल के सामने गंदा पानी थमने से यहां आने वाले विद्यार्थियों को परेशानियां होती हैं। यहां पर कीचड़ भी हो गया है। कोठी बाजार के जागरूक लोगों ने नपा सीएमओ से यहां पर बारीक डस्ट और मुरम डलवाने की मांग की है। जिससे विद्यार्थियों को परेशानियां नहीं हों।

दो समिति विसर्जन के दौरान आपस में भिड़ी

बनखेड़ी (निप्र)। बनखेड़ी के ग्राम डंगरहाई में गणेश विसर्जन के दौरान शनिवार शाम को दो समितियां आपस में भिड़ गईं। मामूली कहासुनी से विवाद शुरू हुआ और मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों ने देर रात बनखेड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। बनखेड़ी थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया तीरथ अहिरवार ने गोलू सोनी, अड्डू, और राजेश ठाकुर के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, गोलू ने पन्नालाल, तीरथ, राजेश, धनराज, और अन्य के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर मामला विवेचना में लिया।

झगड़े, मानसिक तनाव के बारे में बताया: बैतूल में कानूनी रूप से मदद को हेल्पलाइन नंबर जारी

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आयोजन

बैतूल(निप्र)। बैतूल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज ओपन ऑडिटोरियम में कई पुरुषों ने हिस्सा लिया। उन्होंने अपने पारिवारिक विवादों और मानसिक तनाव के अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने पारिवारिक दबाव और झूठे मामलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पुरुषों की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। इसलिए पुरुष आयोग के गठन की मांग की गई। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. संदीप गोहे ने समाज में बढ़ती आत्महत्याओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पुरुषों में आत्महत्या का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। समाज में पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा नहीं होती। एसआईएफ बैतूल पुरुष अधिकार और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम कर रही है। संस्था ने पुरुषों को कानूनी और मानसिक सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर 8882498498 जारी किया है। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि हर जीवन मूल्यवान है। संवाद और संवेदना से आत्महत्या को रोका जा सकता है। यह आयोजन सेव इंडियन फैमिली बैतूल (एसआईएफ) की ओर से आयोजित किया गया।

हर ग्राम पंचायत में बनेंगे सुव्यवस्थित एवं निर्बाध पहुँच वाले श्मशानघाट

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी

सीहोर (निप्र)। 5वें राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत अधोसंरचना विकास अनुदान मद की राशि से प्रदेश में सुव्यवस्थित श्मशान घाटों का विकास किया जायेगा। श्मशान घाटों के विकास कार्यों के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। सभी जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये हैं।शासन आमजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं प्रत्येक आश्रित ग्राम में वित्तीय वर्ष 2025-26 तक न्यूनतम एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सहज तथा बारहमासी निर्बाध पहुँच वाले श्मशान घाट की उपलब्धता के लिये प्रतिबद्ध है। ग्रामों में श्मशान घाटों के विकास के लिये त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रशासन से न्यूनतम आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गई है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक ग्राम में श्मशान मद के लिये आवश्यक भूमि आरक्षित हो। आरक्षित भूमि की संपूर्ण रूप से फेंसिंग की गई हो। स्थल पर पहुँचने के लिये साल के बारहों महीने निर्बाध एवं सहज पहुँच मार्ग उपलब्ध हो। श्मशान मद में आरक्षित भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो। इन मापदण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्रत्येक ग्राम पंचायत को राजस्व अभिलेखों से यह ज्ञात करना होगा कि ग्राम पंचायत के किस ग्राम में पहले से श्मशान घाट के लिये भूमि आरक्षित होकर श्मशान घाट है और किस ग्राम में नहीं है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रत्येक ग्राम में, जिसमें श्मशान के लिये भूमि उपलब्ध नहीं है, आवश्यक उपयुक्त भूमि आरक्षित कराने के लिये मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत संबंधित जिला कलेक्टर को आवेदन कर भूमि आरक्षित करानी होगी। जहां पहले से श्मशान घाट है और आरक्षित भूमि की यदि समुचित फेंसिंग नहीं है, तो उस भूमि की फेंसिंग प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा तैयार किये गये मानकों के आधार पर कराई जाये। चेन लिंक के लिये प्राक्कलन के अनुसार अथवा स्थानीय बोल्डरों, पत्थरों से निर्मित खखरी के द्वारा की जा सकेगी। श्मशान घाट तक निरापद रूप से पहुँचने के लिये समुचित मार्ग उपलब्ध नहीं हो अथवा मार्गों में पुलिया/रपटा नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन दुष्कर होता है, ऐसे स्थलों पर निर्बाध पहुँच के लिये आवश्यकतानुसार समीपवर्ती मार्ग से श्मशान स्थल तक 3.75 मीटर (लगभग) चौड़ाई की सी.सी. रोड और यथाआवश्यक पुलिया/रपटा भी बनाया जाये। आवश्यक भूमि की अनुपलब्धता की स्थिति में जिला कलेक्टर से निर्धारित प्रक्रिया से मार्ग निर्धारण कराये जाने की कार्यवाही की जाये। श्मशान घाट के लिये पूर्व से आरक्षित भूमि पर यदि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण है तो संबंधित सीईओ जिला पंचायत द्वारा राजस्व एवं पंचायत अमले के सहयोग से तत्काल अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही करायी जाकर आरक्षित भूमि पर फेंसिंग की जाये।

ये समस्त कार्य ग्राम पंचायतों को 5वें राज्य वित्त आयोग अंतर्गत अधोसंरचना विकास अनुदान मद के तहत प्रदाय की जाने वाली राशि से किये जायेंगे। इसके बाद अवशेष राशि का व्यय किसी अन्य कार्य पर किया जा सकेगा। आवश्यकता होने पर अन्य योजनाओं की राशि से नियमानुसार अभिसरण अनुमत्य होगा। इसके लिये आवश्यक जनभागीदारी एवं जनसहयोग भी प्राप्त किया जा सकता है। यदि ग्राम पंचायत के खाते में पूर्व से 5वें वित्त मद की राशि उपलब्ध है तो उस राशि से कार्य तत्काल प्रारंभ कराये जायेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पंचायत समन्वय अधिकारी तथा उपयंत्री उत्तरदायी रहेंगे। इसी प्रकार जनपद स्तर पर सहायक यंत्री, कार्यक्रम अधिकारी/सीईओ

अब किसी भी नवजात को मिलेगा सुरक्षित भविष्य

प्यार का हक हर बच्चे को

विदिशा (निप्र)। कभी-कभी समाज में ऐसे हालात बन जाते हैं जब अनचाहे नवजात शिशु को असुरक्षित जगहों पर छोड़ दिया जाता है। सड़क किनारे, कचरे के ढेर या झाड़ियों में मिलने वाले मासूम जीवन अक्सर अपनी पहली साँसों के साथ ही संकट में पड़ जाते हैं। ऐसे दर्दनाक हालातों से बचाने और हर नवजात को जीवन व प्यार का हक दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने एक संवेदनशील पहल की है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के सभी खंड स्तरीय शासकीय चिकित्सालयों सहित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय एवं शिशु गृह (जेल के पास) पालना स्थापित किए गया है।

फेंके नहीं हमें दें

यह संदेश ही इस अभियान की आत्मा है। कोई भी व्यक्ति यदि किसी कारणवश नवजात को पालन-पोषण देने में सक्षम नहीं है, तो वह बिना पहचान बताए , सुरक्षित रूप से पालना में शिशु को छोड़ सकता है। पालना में छोड़े गए प्रत्येक शिशु को तुरंत रेस्क्यू कर शिशु गृह ले जाया जाएगा। वहां चिकित्सीय देखभाल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। आगे चलकर बाल कल्याण समिति द्वारा प्रक्रिया पूरी कर बच्चे को कानूनी रूप से गोद दिलवाया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि अतीत में नवजातों को असुरक्षित जगहों पर फेंकने से कई बार उनकी मृत्यु तक हो जाती थी। यह पालना व्यवस्था ऐसे अमूल्य जीवन को बचाने और उन्हें स्नेहिल भविष्य देने की दिशा में बड़ा कदम है।

अभियान का संदेश

प्यार का दुलार, भविष्य निर्माण का - फेंके नहीं, हमें दें।इस पहल से न केवल मासूम जीवन बचेगा, बल्कि उन्हें एक ऐसा परिवार मिलेगा जो उन्हें प्यार, दुलार और सुरक्षित भविष्य दे सकेगा।

पिपरिया के गुरुद्वारे में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर:40 मोतियाबिंद मरीजों को भोपाल भेजा

20 लोगों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के बनवारी रोड स्थित गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारे में रविवार को नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। अमृत सेवा समिति और चिरायु अस्पताल ने दिवंगत कन्हैया लाल पंजवानी की स्मृति में यह शिविर आयोजित किया। भोपाल चिरायु मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर शुभम, सोनाली सोडाणी और अभिषेक शुक्ला ने मरीजों की जांच की। सिविल अस्पताल पिपरिया के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा सहायक श्याम सोडाणी ने भी सहयोग किया। शिविर में 40 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी मरीजों को ऑपरेशन के लिए बस से भोपाल भेजा गया। सुखदेव सिंह कालोटी ने बताया मरीजों के लिए जांच, दवाइयां, ऑपरेशन, लेंस, काला चश्मा, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं नि:शुल्क की गई हैं। नेत्रदान पखवाड़े के तहत 20 लोगों ने नेत्रदान के लिए सहमति पत्र भरे। कार्यक्रम के समापन पर गुरुद्वारे के ज्ञानी जी ने चिकित्सा दल का सरोपा भेंट कर सम्मान किया।

धरती आबा अभियान से जनजातीय ग्रामों में नई उम्मीदें

सरकार की योजनाओं का लाभ अब हर घर तक

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले के चिंहित ग्रामों के जनजातीय समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन पुनः किया जा रहा है। यह शिविर जिले के जनजातीय भाइयों के लिए नई उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत 14 अक्टूबर तक चयनित 86 जनजातीय ग्रामों में प्रतिदिन दो ग्रामों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में हितग्राहियों को न केवल योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, बल्कि घर-घर जाकर जागरूकता संदेश भी फैलाया जा रहा है। अब तक आयोजित 18 शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं। जिसमें 155 हितग्राहियों के आधार कार्ड बने, 131 आयुष्मान कार्ड जारी किए गए, 89 जन्म प्रमाण-पत्र तैयार हुए, 203 ई-केवायसी पूर्ण हुई, 65 नई समग्र आईडी बनाई गईं है। इस अभियान से जनजातीय समाज को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड, पीएम आवास जैसी योजनाओं से सीधा लाभ मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहली बार योजनाओं का लाभ उनके द्वार तक पहुंच रहा है। इससे न केवल कागजी औपचारिकताएं आसान हुई हैं, बल्कि गांव-गांव में सरकार पर भरोसा और आत्मनिर्भरता की नई भावना भी पनप रही हैं। आने वाले दिनों में बाकी ग्रामों में भी कैम्प लगाकर सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया है।

एसडीएम कार्यालय के बाबू का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा सोशल मीडिया पर एसडीएम कार्यालय के एक बाबू का रिश्वत लेते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि बाबू किसी कार्य को कराने के एवज में रिश्वत के रुपए मांग रहा है। जब रिश्वत देने वाला व्यक्ति कम राशि देता है तो बाबू और अधिक रुपए की मांग करता नजर आता रहा है, जबकि देने वाला व्यक्ति बार- बार यह कहता सुनाई देता है कि उसके पास केवल इतनी ही राशि है। यह पूरी घटना मोबाइल कैमरे में कैद हो गई और कुछ ही देर में वायरल हो गई। वीडियो सामने आने के बाद नागरिकों ने आरोपी बाबू के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस विषय में एसडीएम सरोज परिहार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह वीडियो काफी पुराना प्रतीत हो रहा है। संबंधित बाबू को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उसका जवाब मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

भोपाल भाजपा युवा मोर्चा नेता का अश्लील वीडियो

महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखा, पार्टी ने हटाया, कांग्रेस बोली- बीजेपी के यही संस्कार

भोपाल (नप्र)। भोपाल में भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री का एक महिला के साथ अश्लील वीडियो सामने आया। वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर सवाल उठाए। हंगामा बढ़ा तो पार्टी ने जीत निशोदे को युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री पद से हटा दिया।

भाजपा युवा मोर्चा अरेरा मंडल के अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित ने जीत को पद से हटाने के साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी हटा दिया है। जीत निशोदे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक में 5 हजार से अधिक फॉलोअर्स है।

कांग्रेस बोली- भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को यही सिखाती है-बीजेपी मंडल महामंत्री का आपत्तिजनक हाल में वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस ने कहा- भाजपा जो परंपरा और संस्कारों की बात करती है, और अभी कुछ दिन पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टियों को सर्टिफिकेट बांट रहे थे कि किसका कैसा चरित्र है तो अब भाजपा को यह बताना चाहिए कि क्या भाजपा का यही चरित्र है। ऐसी अश्लील हरकतें करना क्या भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को सिखाती है?

पन्ना में आकाशीय बिजली से किसान की मौत

भैंस चराते समय हुआ हादसा, खेत में मिला शव

पन्ना (नप्र)। पन्ना में सोमवार को एक दुखद घटना में आकाशीय बिजली गिरने से 58 वर्षीय किसान की मौत हो गई। रानीबाग वार्ड 11 के रहने वाले रामकुमार प्रजापति उर्फ हल्के दोपहर में अपने खेत में भैंस चराने गए थे।गरज-चमक के साथ बारिश शुरू होने के दौरान किसान पर बिजली गिर गई। वह खेत में बेहोश हो गए और कुछ देर बाद उनकी मृत्यु हो गई। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजन खेत पहुंचे। वहां उन्हें रामकुमार का शव मिला।मृतक के बड़े भाई बाबूलाल प्रजापति ने बताया कि रामकुमार रोज की तरह खेत गए थे। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

स्कूल में बम की सूचना फिर भी चलती रही क्लास

स्कूल को रात 3.18 बजे मेल आया, 7 बजे पढ़ा, 10 बजे पुलिस को बताया तब की छुट्टी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के गोल्डन स्कूल में मंगलवार को बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। स्कूल को

ये सूचना ईमेल के जरिए मिली है। मेल में लिखा है- आपके स्कूल में बम प्लांट किया गया है, जो कभी भी फट सकता है।मेल चेक करने के बाद प्रबंधन ने क्लासेस के बीच में ही बच्चों को स्कूल बस से घर भिजवा दिया। जोन 1 एडिश्नल डीसीपी आलोक शर्मा के मुताबिक, नयनतारा आउटलुक नाम से रात 3 बजकर 18 मिनट पर एक मेल आया था। स्कूल प्रबंधन ने सुबह 7 बजे मेल देखा। इसके तीन घंटे बाद करीब 10 बजे बाद पुलिस को सूचना की गई।राउ पुलिस टीम डॉग स्क्वाड के साथ केंट रोड स्थित स्कूल पहुंची है। पुलिस के वरिष्ठ अफसर भी मौके पर हैं। सर्चिंग की जा रही है। फिलहाल पेरेंट्स को सूचना नहीं दी गई है।

पीएम जनमन योजना में सरकार के साथ समाज भी जुड़े : राज्यपाल

गरीब, वंचितों के आवास निर्माण में समृद्ध वर्ग से सहयोग का आव्हान

राजभवन में पीएम जनमन योजना की समीक्षा बैठक हुई

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय वर्ग के कल्याण की अभूतपूर्व योजना है और यह समाज के वंचित वर्गों के उत्थान का प्रयास है। समरस समाज के निर्माण की इस पहल में सरकार के साथ समाज को भी सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने आहवान किया कि पीएम जनमन आवास योजना के आवासों को और अधिक बेहतर बनाने के लिये समाज के समृद्ध वर्ग का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल पीएम जनमन योजना की प्रगति की मंगलवार को राजभवन में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि प्रशासनिक स्तर पर निर्माण कार्य की मज़बूती के लिए सामग्री की गुणवत्ता के साथ निर्माण की देख-रेख के प्रयासों में मैदानी सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण सामग्री की लागत को कम करने, कीमतों में समन्वय, स्थानीय और हरित निर्माण सामग्री के उपयोग की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आवास की मज़बूती से कोई समझौता नहीं हो।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय समुदाय को समग्रता में लाभान्वित करने की योजना है। हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दृष्टि से सबसे गरीब को सबसे पहले प्राथमिकता देना चाहिए और आवास मजबूत और सुविधा जनक हो। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आवास निर्माण स्थल का निरीक्षण निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सहयोग की दृष्टि से किया जाना चाहिए। स्थल चयन, आकार और निर्माण के दौरान लगने वाली सामग्री की उपलब्धता और गुणवत्ता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर हितग्राहियों को सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए।

बैठक में राज्यपाल श्री पटेल को बताया गया कि आवास निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री उपलब्ध कराने की पहल की गई है। ईंट निर्माण में स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। पर्यावरण अनुकूल निर्माण प्रयासों की भी पहल की गई है। निर्माण सामग्री की दर को कम करने के लिए जिला स्तर पर मूल्य निर्धारण की कार्यवाही भी की गई है।

समीक्षा बैठक में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री दिनेश जैन, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती जमुना भिड़े और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बेटे ने पिता पर किया चाकू से जानलेवा हमला

गांधीनगर इलाके की घटना, आरोपी बेटा गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। राजधानी के गांधीनगर इलाके में पारिवारिक विवाद ने खूनखराबे का रूप ले लिया। सोमवार शाम एक बेटे ने अपने ही पिता पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। गंभीर हालत में घायल पिता को हमलावर के फरार होने के बाद पड़ोसियों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। सुरेश रैकवार (60) मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं और बीडीए कॉलोनी में रहते हैं। सोमवार को वे अपने सास-ससुर की तबीयत खराब होने की खबर पर उन्हें देखने चले गए थे। शाम करीब पांच बजे जब वे लौटे तो घर पर उनका बेटा प्रेम रैकवार मौजूद था।प्रेम ने पिता पर आरोप लगाया कि वह दादा-दादी (सुरेश के माता-पिता) की देखभाल नहीं करते, जबकि नाना-नानी के पास अक्सर चले जाते हैं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि प्रेम ने गुस्से में आकर पिता पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में सुरेश रैकवार के सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं।

इंदौर में चूहे काटने की घटना में दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य संस्थानों में प्रभावी उपायों के दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में इंदौर में घटित चूहे काटने की घटना पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी कार्यवाही निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं तथ्यों के आधार पर की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ स्वास्थ्य सेवाओं की छवि को धूमिल करती हैं, दोषी व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिये कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी रोकथाम उपाय तुरंत लागू किए जाएँ।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश लाहोटी, प्रो. डॉ. मनोज जोशी एवं सहायक प्रभारी नर्सिंग अधिकारी श्रीमती कलावती भलावी को उक्त घटना के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सहायक अधीक्षक एवं भवन प्रभारी डॉ. मुकेश जायसवाल, प्रभारी नर्सिंग अधिकारी सुश्री प्रवीणा सिंह, नर्सिंग अधिकारी सुश्री आकांक्षा बेंजामिन एवं सुश्री श्वेता चौहान को निलंबित किया गया है। नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मार्गरेट जोसफ को पद से हटाया गया है तथा नर्सिंग अधिकारी श्रीमती प्रेमलता राठौर का स्थानांतरण मानसिक चिकित्सालय में किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अस्पताल परिसरों की स्वच्छता, सुरक्षा और मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, तथा एम.डी. एम.पी. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री मयंक अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि उद्योग समागम नवम्बर में सीहोर में होगा

कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए समिति गठित

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कृषि विकास एवं किसानों को आधुनिक तकनीकों से सीधे जोड़ने के दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य शासन द्वारा इस वर्ष कृषि उद्योग समागम-2025 (एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव) का आयोजन नवंबर माह में सीहोर में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन वृहद स्तर पर कई विभागों की सहभागिता से किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन द्वारा समिति गठित की गई है।

समिति के अध्यक्ष सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग होंगे। आयुक्त सह संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विभाग को सदस्य एवं आयुक्त सह संचालक, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग को सदस्य सचिव बनाया गया है।

सदस्यों में आयुक्त, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, आयुक्त औद्योगिकी नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, आयुक्त सहकारिता, आयुक्त जनसंपर्क, संचालक मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास, संचालक पशुपालन एवं डेयरी, संचालक कृषि0 अभियांत्रिकी, प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य कृषि उद्योग विकास निगम और मिशन संचालक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन शामिल हैं।

भोपाल गणेश विसर्जन पथराव को लेकर मंत्री-विधायक बोले-

हनुमानजी का मुख खुलेगा, तो रुकेगा नहीं

ये बिरयानी खिलाने वाली सरकार नहीं, शांति वाली है

भोपाल (नप्र)। भोपाल गणेश प्रतिमा विसर्जन चल समारोह पर पथराव को लेकर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग और हुजूर से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने शांति बनाए रखने की हिदायत दी है।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, यह बिरयानी खिलाने वालों की सरकार नहीं है, बल्कि शांति से राज करने वाली सरकार है। हनुमान जी का मुख खुलेगा और उसे कोई रोक नहीं पाएगा। वहीं, मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अशांति फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दरअसल, सोमवार रात करीब 9.15 बजे चल समारोह आरिफ नगर से डीआईजी बंगला की तरफ जा रहा था। तभी किसी ने पत्थर फेंके, जिसके बाद लोगों ने चौराहे पर चल समारोह रोककर जमकर नारेबाजी की। इसके चलते वहां जाम लग गया था। घटना के बाद हिंदू संगठनों ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि धार्मिक जुलूसों के दौरान लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री सारंग बोले- आरोपी को बख्शेंगे नहीं

मंत्री विश्वास सारंग ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश शांति का टापू है। यहां हर सनातन त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। यदि कोई शांति भंग करने की कोशिश करेगा, तो ऐसी सख्त कार्रवाई होगी कि वह नजीर बनेगी। एफआईआर दर्ज हो चुकी है और आरोपी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

विधायक बोले- हनुमान जी का मुख खुलेगा, तो रोक नहीं पाओगे ?

हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, अगर कोई भी कंकड़ मारेगा तो उसका प्रतिकार प्रशासन बहुत खतरनाक तरीके से करेगा। यह बिरयानी खिलाने वालों की सरकार नहीं है, बल्कि शांति से राज करने वाली सरकार है। खूब नमाजें पढ़ो, खूब तीर्थ करो, खूब आरती और हनुमान चालीसा गूंजें, लेकिन अगर इसमें कोई

बाधा डालेगा तो फिर हनुमान जी का मुख खुलेगा और उसे कोई रोक नहीं पाएगा।

चल समारोह पर पथराव से गणेश प्रतिमाएं हो गई थीं खंडित

भोपाल में गणेश प्रतिमा विसर्जन चल समारोह पर अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंके थे। इससे प्रतिमाएं खंडित हो गई थीं।

इस घटना से नाराज लोगों ने गौतम नगर थाने का घेराव कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने तत्काल आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद तीन संदेहियों को चिह्नित किया। एफआईआर दर्ज होने के बाद हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह भारतेंदु हरिश्चंद्र का किया स्मरण

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह और राष्ट्रीय नवजागरण के प्रखर पुरोधा 'भारतेंदु' हरिश्चंद्र की जयंती पर स्मरण करते हुए नमन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतेंदु जी ने गरीबी, पराधीनता और सामाजिक कुरीतियों जैसे विषयों पर विभिन्न विधाओं में अपनी बेबाक लेखनी से 'भारतवर्षोन्नति' का सन्मार्ग प्रशस्त किया। साहित्य जगत को समृद्ध बनाने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

68 घंटे बाद शिप्रा में मिला लेडी कॉन्स्टेबल का शव

उज्जैन में पुल से 70 मीटर दूर मिली कार,टीआई-एसआई की लाश पहले मिल चुकी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में नदी में बही कॉन्स्टेबल आरती पाल की कार शिप्रा में मिल गई है। आरती पाल का शव कार के पिछले हिस्से में मिला है। एसपी प्रदीप शर्मा ने कहा कि जिस पुल से कार गिरी थी, वहां से लगभग 70 मीटर आगे मिली है। एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम कंफर्म कर रही है। हमारी पहली प्राथमिकता उनकी बॉडी को सुरक्षित बाहर निकालना है।

गाड़ी लोकल गोताखोर मोहम्मद इरफान ने खोजी है। गोताखोर इरफान ने बताया कि चार दिन से गाड़ी की सर्चिंग चल रही थी। आज मैंने टीआई सर से 15 मिनट का टाइम लिया था। अपने

अंदाज से जहां कार गिरी थी, वहीं से गाड़ी की सर्चिंग की। उसी जगह पर कार और कॉन्स्टेबल आरती पाल का शव मिला है। जिसके बाद टीम को सूचना दी।वहीं, बेटी का शव मिलने की सूचना मिलने के बाद कॉन्स्टेबल आरती के पिता भी मौके पर पहुंचे। वे बार-बार बेसुध हो रहे हैं। पुलिसकर्मी और परिजन उन्हें संभाल रहे हैं। मंगलवार सुबह 8 बजे बचाव दल फिर पानी में उतरा। उन्हें तलाशने में सोनार डिटेक्शन उपकरण की भी मदद ली जा रही है। उन्हेल थाने में पदस्थ आरती पाल अपनी कार से शनिवार रात इसी थाने के टीआई अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निनामा के साथ एक नाबालिग के अपहरण केस में जांच के लिए उज्जैन के चिंतामन थाना क्षेत्र जा रही थीं। इस दौरान उनकी तेज रफ्तार कार शिप्रा नदी में गिर गई थी। रविवार को टीआई शर्मा का शव मिला और उनका उसी दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। जबकि घटना के दो दिन बाद सोमवार शाम एसआई निनामा का शव भैरवगढ़ क्षेत्र में ही मिला।

130 जवान दो शिफ्ट में सर्चिंग में जुटे थे-हादसे के बाद लगातार सर्चिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक लगातार सर्चिंग की गई। दो शिफ्ट में कुल 130 जवान सर्चिंग में जुटे थे। इनमें एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ होमगार्ड, पुलिस और मां शिप्रा तैराक दल के सदस्य शामिल हैं, गहरे पानी में सर्चिंग कर रहे थे।

आधी रात में 30 और आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर

मप्र में एक दिन में 50 पुलिस अधिकारियों के तबादले, 15 जिलों के एसपी बदले

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सोमवार को आधी रात के बाद 30 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए। गृह विभाग से जारी इस आदेश में 13 जिलों के एसपी बदले हैं। इससे पहले सोमवार शाम को जारी आदेश में 20 आईपीएस अफसरों को इधर से उधर किया था। इस सूची में 2 जिलों के एसपी बदले गए थे।इस तरह सोमवार को दो आदेश में सरकार ने कुल मिलाकर 50 आईपीएस अफसरों के थोकबंद तबादले किए हैं। जिसमें कुल 15 जिलों के एसपी बदले हैं।

रात में जारी दूसरे आदेश में इन जिलों में इन्हें बनाया एसपी

रीवा - शैलेंद्र सिंह चौहान कमांडेंट 13वीं बटालियन ग्वालियर को रीवा जिले का एसपी बनाया।

झाबुआ - शिवदयाल 14वीं बटालियन ग्वालियर को झाबुआ जिले का एसपी बनाया।

आलीराजपुर - रघुवंश कुमार सिंह 5वीं बटालियन मुरैना को आलीराजपुर जिले का एसपी बनाया।

उमरिया - विजय भागवानी, एआईजी पीएचक्यू को उमरिया जिले का एसपी बनाया।

सीधी - संतोष कोरी, एसपी रेल इंदौर को सीधी जिले का एसपी बनाया।

नर्मदापुरम - सांई कृष्ण एस थोटा, एसपी पन्ना को नर्मदापुरम जिले का एसपी बनाया।

सतना - हंसराज सिंह, पुलिस उपायुक्त इंदौर को सतना जिले का एसपी बनाया।

पन्ना - निवेदिता नायडू, एसपी उमरिया को पन्ना जिले का एसपी बनाया गया।

बैतूल - वीरेंद्र जैन, एसपी श्योपुर को बैतूल जिले का एसपी बनाया।

श्योपुर - सुधीर कुमार अग्रवाल, एसपी मैहर को श्योपुर जिले का एसपी बनाया।

मैहर - अवधेश प्रताप सिंह, कमांडेंट 36वीं बटालियन बालाघाट को मैहर जिले का एसपी बनाया

खरगोन - रवीन्द्र वर्मा, एसपी सीधी को खरगोन जिले का एसपी बनाया।

हरदा - शशांक, पुलिस उपायुक्त भोपाल को हरदा जिले का एसपी बनाया।

शाम को जारी आदेश में इन दो जिलों में इन्हें बनाया एसपी

अशोकनगर- में राजीव कुमार मिश्रा को एसपी बनाया गया।

धार- में मयंक अवस्थी नए पुलिस अधीक्षक होंगे।

भोपाल के तीन और इंदौर का एक पुलिस उपायुक्त बदला

रियाद इकबाल, पुलिस उपायुक्त भोपाल को एसएसपी रेडियो बनाया। इनकी जगह रीवा एसपी विवेक सिंह को भोपाल पुलिस उपायुक्त (जोन-2) बनाया गया है। अभिनव चौकसे, एसपी हरदा को भी भोपाल में पुलिस उपायुक्त (जोन-3) बनाया गया है। आशुतोष, एसपी सतना को पुलिस उपायुक्त भोपाल (जोन-1) बनाया गया है। कुमार प्रतीक, कमांडेंट 23वीं बटालियन भोपाल को पुलिस उपायुक्त (जोन-2) इंदौर बनाया गया है।

इससे पहले सोमवार शाम को गृह विभाग से जारी आदेश में 20 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए। इस लिस्ट में डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। अशोकनगर और धार जिले के एसपी बदले गए हैं। अशोकनगर में राजीव कुमार मिश्रा और धार में मयंक अवस्थी नए पुलिस अधीक्षक होंगे।

छतरपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, इंदौर ग्रामीण, भोपाल ग्रामीण, रतलाम और सागर रेंज में नए डीआईजी पदस्थ किए गए हैं। इसके साथ ही इंदौर और भोपाल में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) को भी बदला गया है।

विजय कुमार खत्री को डीआईजी छतरपुर रेंज, विनीत कुमार जैन को डीआईजी बालाघाट, मनोज कुमार सिंह को डीआईजी इंदौर ग्रामीण, राकेश कुमार सिंह को डीआईजी छिंदवाड़ा, राजेश सिंह को डीआईजी भोपाल ग्रामीण और शशीन्द्र चौहान को डीआईजी सागर रेंज पदस्थ किया गया है। छतरपुर डीआईजी ललित शाक्यवार और सागर डीआईजी सुनील कुमार पांडे को पीएचक्यू में पदस्थ किया गया है। बालाघाट डीआईजी मुकेश कुमार श्रीवास्तव को मानव अधिकार आयोग भेजा गया है। भोपाल ग्रामीण डीआईजी ओमप्रकाश त्रिपाठी को डीआईजी एसएएफ मध्य क्षेत्र बनाया गया है।

मनोज कुमार सिंह डीआईजी रतलाम की पदस्थापना लोकायुक्त संगठन में डीआईजी के तौर पर की गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) नगरीय पुलिस इंदौर मनोज कुमार श्रीवास्तव को डीआईजी पुलिस रिसर्च ट्रेनिंग सेंटर इंदौर भेजा गया है। मोनिका शुक्ला डीआईजी रेल, पीएचक्यू को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल बनाया गया है। निमिष अग्रवाल डीआईजी इंदौर ग्रामीण को डीआईजी रतलाम रेंज, डी कल्याण चक्रवर्ती डीआईजी छिंदवाड़ा को डीआईजी पीएचक्यू, हेमंत चौहान डीआईजी एससीआरबी पीएचक्यू को डीआईजी रीवा रेंज बनाया गया है।

छतरपुर में लव जिहाद केस में युवती ने बदला बयान

बोली- भाई और दोस्तों के दबाव में कराई थी झूठी एफआईआर, युवक 4 माह जेल में रहा

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के मातगुंवा थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने पति समीर खान पर लगाए गए सभी आरोपों से इनकार कर दिया है। युवती ने अब नया बयान देते हुए कहा कि उसने भाई और दोस्तों के दबाव में आकर झूठी एफआईआर दर्ज कराई थी।

पहले पति से तलाक के बाद की थी लव मैरिज-दरअसल युवती की पहली शादी नाबालिग अवस्था में दमोह निवासी कुलदीप जैन से हुई थी। इस शादी से उसके दो बच्चे भी हैं। कुलदीप से विवाद के चलते मामला न्यायालय में था। इसी बीच युवती के भाई की शादी के दौरान उसकी मुलाकात समीर खान से हुई। कुछ दिन रिलेशन में रहने के बाद दोनों ने लव मैरिज करने का फैसला कर लिया। इसी बीच पहले पति से उसके तलाक की प्रक्रिया चल रही थी तलाक लिए बिना ही उसने समीर से निकाह कर लिया।युवती के परिवार ने इस शादी का विरोध किया। उसके भाई, मां और दोस्तों ने धमकाया। इसके बाद युवती ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर समीर खान पर लव जिहाद, धर्म परिवर्तन, दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाया। पुलिस ने 1 मई 2025 को एफआईआर दर्ज कर समीर को गिरफ्तार कर लिया।

चार महीने से जेल में रहा युवक-चार महीने जेल में रहने के बाद समीर रिहा हुआ। इसके बाद अब युवती ने अपना बयान बदल दिया। युवति का कहना है कि समीर ने न तो उस पर कभी दबाव बनाया, न धर्म परिवर्तन कराया और न ही मीट खिलाया और कलमा भी नहीं पढ़वाया।